दैनिक

नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-31 अंक-52 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 03 अप्रैल 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

वक्फ संशोधन बिल संसद में पेश

शाह बोले -कांग्रेस के जमाने में समिति ठप्पा लगाती थी, हमारी समिति चर्चा के आधार पर विचार-विमर्श करती है

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में बुधवार को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन बिल पेश किया। हालांकि, सदन में वक्फ संशोधन बिल को लेकर विपक्षी सांसदों ने जबरदस्त हंगामा किया। बिल पेश होने के दौरान कांग्रेस ने आपत्ति जताई। एक तरफ जहां कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार कानून को जबरन थोप रही है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि यह आपका आग्रह था कि एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई जानी चाहिए। हमारे पास कांग्रेस जैसी समिति नहीं है। हमारे पास एक लोकतांत्रिक समिति है, जो मंथन करती है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में समिति होती थी, जो ठप्पा लगाती थी। हमारी समिति चर्चा करती है, चर्चा के आधार पर विचार-विमर्श करती है और परिवर्तन करती है। दरअसल, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने वक्फ संशोधन बिल पेश किए जाने के दौरान विरोध जताते हुए कहा कि इस तरह का बिल (वक्फ संशोधन विधेयक) जिसे आप सदन में ला रहे हैं, कम से कम सदस्यों को संशोधन करने का अधिकार तो होना चाहिए। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आप कानून को जबरन थोप रहे हैं। आपको संशोधन के लिए वक्त देना चाहिए। संशोधन के लिए कई प्रावधान हैं।कांग्रेस सांसद के आरोपों पर जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जो पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया गया है, भारत सरकार की कैबिनेट ने एक बिल अप्रूव करके सदन के सामने रखा। सदन की ओर से ये बिल जेपीसी को दिया गया। कमेटी ने सुविचारित रूप से अपना मत प्रकट किया। वह मत फिर से कैबिनेट के सामने गया। कमेटी के सुझाव कैबिनेट ने स्वीकार किए और संशोधन के रूप में किरेन रिजिजू बिल लेकर आए हैं। अगर ये कैबिनेट के अप्रूवल के बगैर आता तो पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठा सकते थे।उन्होंने कहा, यह आपका (विपक्ष का) आग्रह था कि एक संयुक्त संसदीय समिति बनाई जानी चाहिए। हमारे पास कांग्रेस जैसी समिति नहीं है। हमारे पास एक लोकतांत्रिक समिति है, जो मंथन करती है। कांग्रेस के जमाने में समिति होती थी, जो ठप्पा लगाती थी। हमारी समिति चर्चा करती है, चर्चा के आधार पर विचार-विमर्श करती है और परिवर्तन करती है।

वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में मुस्लिम समाज सड़कों पर उतरा

भोपाल ,(आरएनएस)। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जा रहा है। इस विधेयक में किए गए प्रावधानों से मुस्लिम समाज खुश और उत्साहित है। यही कारण है कि मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की सड़कों पर उतरकर मुस्लिम समुदाय के लोग इस संशोधन विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जा रहा है। इसको लेकर राजनीतिक दल दो हिस्सों में बटे हुए हैं, सत्ताधारी दल एनडीए के साथी इस विधेयक को मुस्लिम समाज के हित में बता रहे हैं, वहीं कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल इसे मुस्लिमों के हक पर प्रहार बता रहे हैं।इस विधेयक को लेकर आमजन मुखरता से अपनी राय जाहिर नहीं कर रहे हैं, मगर मध्य प्रदेश की राजधानी में जो नजारा सामने आया है, वह मुस्लिमों की इस विधेयक को लेकर संतुष्टि को जाहिर कर रहा है।राजधानी के आनंदपुर क्षेत्र के कोकता मैदान में पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोग अपनी खुशियां जाहिर कर रहे हैं। महिलाएं बुर्के में पहुंची और अपनी खुशी का इजहार कर रही हैं। ढोल बज रहे हैं और लोग अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए हाथों में पोस्टर लिए हुए हैं, जिन पर शुक्रिया मोदी जी लिखा हुआ है।इसी तरह भोपाल के ही हताई खेड़ा क्षेत्र में भी मुस्लिम समाज के लोग इस विधेयक को लेकर अपनी खुशियां जाहिर कर रहे हैं। संशोधन विधेयक को लेकर खुशियां मनाने वाली महिलाओं का कहना है कि देश की मोदी सरकार मुस्लिम समाज के उत्थान और कल्याण के लिए लगातार कदम उठा रही है।

एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब; पाकिस्तान के 10 जवान घायल

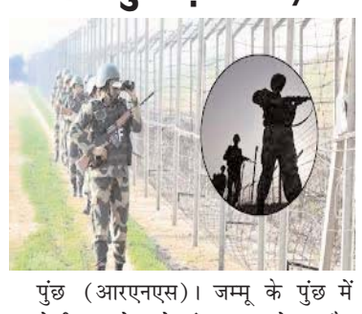

पुंछ (आरएनएस)। जम्मू के पुंछ में एलओसी पर सेना ने मंगलवार को घुसपैठ की बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। एलओसी पर भारत-पाकिस्तान सैनिकों के बीच भारी गोलीबारी भी हुई। इस गोलीबारी में पाकिस्तानी सेना के करीब 8 से 10 जवानों के घायल होने की भी सूचना है। एलओसी पर माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे कृष्णा घाटी सेक्टर में भारतीय सेना की अग्रिम पोस्ट के नजदीक जंगली क्षेत्र में अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में एक के बाद एक तीन बारूदी सुरंगों में विस्फोट हुए। इसके साथ ही पाकिस्तान की तरफ से गोलीबारी भी शुरू कर दी गई। जानकारी के मुताबिक एलओसी के उस पार से आतंकियों का एक दल भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ का प्रयास कर रहा था, उसी समय भारतीय सेना की ओर से घुसपैठ को रोकने के लिए बिछाई गई बारूदी सुरंगों में विस्फोट होने के कारण आतंकियों का मंसूबा नाकाम हो गया।

आतंकियों को भारतीय सेना से बचाने के लिए पाकिस्तानी सेना ने गोलीबारी कर उन्हें कवर फायर भी दिया। नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की आशंका को देखते हुए भारतीय सेना ने भी जवाबी गोलीबारी की। दोनों तरफ से गोलीबारी जारी रही। गोलीबारी के बाद घटना स्थल पर जंगली क्षेत्र में आग भी लग गई है।

वक्फ बिल से मुसलमानों को फायदा, विपक्ष कर रहा गुमराह : शहाबुद्दीन रजवी

बरेली (आरएनएस)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के प्रमुख मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने बुधवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक से मुसलमानों को कोई खतरा नहीं है, बल्कि इससे उन्हें काफी लाभ होगा। उन्होंने दावा किया कि कुछ राजनीतिक समूह विधेयक के बारे में अनावश्यक भय फैलाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं।रजवी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक बिना किसी व्यवधान के पारित हो जाएगा। विपक्ष निश्चित रूप से हंगामा करेगा क्योंकि वह वोट बैंक की राजनीति करना चाहता है, इसलिए वह अपने वोट बैंक को बनाए रखने के लिए निश्चित रूप से हंगामा करेगा।इस बिल से मुस्लिम समुदाय को नुकसान पहुंचने की आशंकाओं को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, वक्फ (संशोधन) विधेयक से मुसलमानों को कोई खतरा नहीं है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में चिली गणरा%य के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट के सम्मान में आयोजित भोज को संबोधित किया.

अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा

राजस्थान में पारा पहुंचा 42 डिग्री के पार, दक्षिण में हल्की से मध्यम बारिश असर

नई दिल्ली (ए)। अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। उत्तर भारत में जहां तेज धूप और लू चलने की संभावना है, वहीं दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद है। राजधानी दिल्ली में पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जबकि राजस्थान के कुछ इलाकों में यह 42 डिग्री तक दर्ज हुआ है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में लू चलने की चेतावनी दी है।वहीं दक्षिण भारत के तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के चलते यहां बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में कुछ गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में हल्की बारिश की संभावना बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इन इलाकों में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश जारी रह सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है। वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी गर्मी बढ़ने लगी है। भोपाल, इंदौर, रायपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में तापमान 38-41 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ है।

मध्यप्रदेश को नक्सलवाद मुक्त करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मंडला जिले में हॉक फोर्स के साथ मुठभेड़ में 2 कुख्यात महिला नक्सली ढेर

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती को नक्सल गतिविधियों से मुक्त करने के लिए राज्य पुलिस बल का अभियान तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि मंडला जिले में नक्सली गतिविधियों में संलिप्तों के साथ हुई मुठभेड़ में हमारे हॉकफोर्स के जवानों ने 14-14 लाख रुपए की इनामी 2 महिला नक्सली को मार गिराया है। मृतक नक्सली की शिनाख्त प्रतिमा और ममता नाम से हुई है। इनके कब्जे से हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी जब्त किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को दिये संदेश में नक्सलवाद के खात्मे पर पुलिस जवानों का हौसला बढ़ाया और उन्हें बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिंसक गतिविधियों के खिलाफ राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में नक्सलवाद का जड़ से सफाया करने के लिए चलाए जा रहे अभियान में हमारे जवान पूरी सक्रियता के साथ कार्रवाई कर रहे हैं। मध्यप्रदेश की पावन धरा में नक्सलियों के लिए कोई स्थान नहीं है। हमारा यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि बीते एक साल में मध्यप्रदेश में 10 से ज्यादा नक्सलवादी मारे जा चुके हैं।

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रतलाम जिले में स्पेशल पुलिस फोर्स द्वारा फिरोज नामक एक वांछित आतंकी की गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर रही है।

लालू प्रसाद यादव की बिगड़ी तबीयत, डॉक्टरों ने दिल्ली ले जाने की दी सलाह

नई दिल्ली (आरएनएस)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत खराब होती जा रही है। जिसकों लेकर डॉक्टरों ने अब उन्हें दिल्ली ले जाने की सलाह दी है। जानकारी के अनुसार वह दो बजे एयर एंबुलेंस से दिल्ली रवाना हो सकते हैं।लालू प्रसाद के ब्लड शुगर के स्तर में वृद्धि के कारण उनकी स्वास्थ्य स्थिति और गंभीर हो गई है। शुगर लेवल बढ़ने के कारण तकलीफ काफी बढ़ गई है। हालांकि, उनकी तबीयत पिछले दो दिन से खराब है। लेकिन, बुधवार सुबह से उनकी तबियत में और भी गिरावट आई। पटना में चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली जाने की सलाह दी है। उनके साथ राजद सुप्रीमो के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी दिल्ली जाएंगे। लालू यादव की बेटी मीसा भारती मंगलवार से दिल्ली में ही हैं।

प्राइवेट स्कूलों की 'मनमानी' पर सरकार सख्त, 78 स्कूलों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

रांची,(आरएनएस)। झारखंड सरकार ने प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार किया है। स्कूली शिक्षा विभाग के मंत्री रामदास सोरेन ने फीस वृद्धि, रि-एडमिशन के नाम पर रकम वसूली, स्कूल की ओर से निर्धारित दुकानों से ही किताबें खरीदने की शर्तें लगाने जैसी शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की गाइडलाइन का अनुपालन नहीं करने वाले स्कूलों पर 50 हजार से लेकर 2.50 लाख रुपए तक जुर्माना लगाया जाएगा।मंत्री के निर्देश पर उनके गृह जिले पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में शिक्षा विभाग ने 78 प्राइवेट स्कूलों को नोटिस जारी किया है। इन स्कूलों में सरकार की गाइडलाइन के उल्लंघन की शिकायतें मिली हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक की ओर से नोटिस में इन स्कूलों के मैनेजमेंट को 3 अप्रैल तक जवाब देने का कहा गया है।स्कूलों को जारी नोटिस में झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि स्कूल भवन, संरचना या परिसर का उपयोग केवल शिक्षा के उद्देश्य के लिए किया जाएगा और स्कूल परिसर में शिविर लगाकर किताब या अन्य सामग्री (यूनिफॉर्म-जूते) की खरीद के लिए अभिभावक या छात्र-छात्राओं को बाध्य-प्रेरित नहीं करने से संबंधित निर्देश हैं। इसके बावजूद स्कूल परिसर का उपयोग किताब बेचने के लिए किया जा रहा है।

एसपीएम शाला में स्कूल चले हम अभियान के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम हुआ

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय माध्यमिक शाला एसपीएम में स्कूल चले हम अभियान के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम में शहर के समाजसेवी मोटिवेशनल स्पीकर डॉ मयंक तोमर मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे और विद्यार्थियों से शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में चर्चा करने के साथ ही आगामी कॅरियर विकल्प के बारे में भी बताया डॉ तोमर ने विद्यार्थियों को नवीन शैक्षणिक सत्र की पुस्तकें भी भेंट की। शाला परिवार की ओर से प्रधान पाठक अखिलेश पाठक ने डॉ तोमर का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और शाला आने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान शशिकला हथिया, बृजमोहन आर्य, कला मीना, शिरोमणि बोपचे, स्वाति विश्वकर्मा, विद्या ठाकुर, संगीता पिपले कल्पना चौहान आदि शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

विधायक डॉक्टर शर्मा की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

-अतिक्रमण और लाइन आर्डर पर रहा विशेष फोकस
-लापरवाह ठेकेदारों को ब्लेक लिस्टेट करने पर रहा जोर

नर्मदापुरम (निप्र)। मप्र की माडल जनपद पंचायत में पूर्व माहों की तरह विधायक डॉ सीतासरन शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई। जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक में पूर्व की बैठक में जिन बिंदूओं पर चर्चा हुई थी। उनकी समीक्षा के साथ ही नए विषयों पर चर्चा की गई। विधायक डॉ शर्मा ने इस मौके पर लाइन आर्डर, अतिक्रमण तथा जिन ठेकेदारों के द्वारा एक वर्ष पूर्व वर्क आर्डर लेने के बाद भी कार्य करने में लापरवाही की जा रही है ऐसे ठेकेदारों को ब्लेक् लिस्टेट करने को कहा है। अतिक्रमण पर फोकस करते हुए विधायक डॉ शर्मा ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की एक विशेष टीम बनाई जानी चाहिए जिसमें राजस्व, पुलिस तथा नगर पालिका का अमला रहना चाहिए। जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया गया है उन स्थानों की सतत मानिटरिंग की जानी चाहिए जिससे दोबारा अतिक्रमण नहीं हो सके। सिटी मजिस्ट्रेट व अनुविभागीय अधिकारी की देखरेख में अमले को मुस्तैदी से कार्य करना चाहिए। लाइन आर्डर पर संबंधित अधिकारियों को विशेष ध्यान देना चाहिए। डॉ शर्मा ने कहा कि देखने में आ रहा है कि नगर पालिका क्षेत्र में अनेक ऐसे ठेकेदार हैं जो वर्क आर्डर लेने के बाद भी एक वर्ष तक कार्य शुरू नहीं करते हैं ऐसे ठेकेदारों को ब्लेक्ट लिस्टेट करना चाहिए। बैठक में जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, पियूष शर्मा, के साथ ही अनुविभागीय अधिकारी, सिटि मजिस्ट्रेट, तहसीलदार, आबकारी अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, जनपद पंचायत के सीईओ हेमंत सूत्रकार के साथ अन्य अनेक विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे।

अगले तीन वर्ष में प्रदेश की सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ा जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राज्य में विकसित ई-मार्ग पोर्टल भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किया गया लागू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की समीक्षा

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करें। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे सुनिश्चित कर कार्य-योजना बनाई जाए। सड़कों की आवश्यकता के संबंध में विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों का अभिमत अवश्य लिया जाए। राज्य सरकार अगले तीन वर्ष में सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके उन्नयन की आवश्यकता के प्रति सतर्क रहते हुए तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जाए। सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में

मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पाण्डाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। सड़कों के संधारण और उन्नयन के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में प्रदेश, देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में मार्गों के संधारण के लिए वर्ष 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केन्द्र सरकार द्वारा इसे सम्पूर्ण देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है।बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से 50 हजार 658 बसाहटों तक रोड़ कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर ली गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि सामान्य संधारण कार्यों का प्राक्कलन तैयार करने और तकनीकी प्रशासकीय स्वीकृति आदि की ऑनलाइन व्यवस्था सम्वेग पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है।

विविध-समाचार

हनुमान मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य शुरु

भोपाल (आरएनएस)। न्यू मार्केट के खेड़ापति हनुमान मंदिर में मंदिर के सौंदर्य करण का काम शुरू होने पर शिला पूजन के कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय विधायक भगवान दास सबनानी नगर निगम की महापौर श्रीमती मालती राय नगर निगम के अध्यक्ष कृष्ण सूर्यवंशी न्यू मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष नानक सिंह दुआ पार्षद श्रीमती राजू अनेजा एवं प्रकाश मिरचंदानी एवं संजय बलेचा अजय अग्रवाल मुकेश गोयल कमल गौड़ आरसी जैन शशांक जैन हिमांशु राठौर और तमाम गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कृषक जगत को आईसीएआर-आईएआरआई पुरस्कार से सम्मानित किया गया

भोपाल (आरएनएस)। नई दिल्ली में आईसीएआर-आईएआरआई के 120वें स्थापना दिवस (1अप्रैल)पर, कृषक जगत के निमिष गंगराडे को सर्वश्रेष्ठ कृषि प्रिंट मीडिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद, आईएआरआई के निदेशक और कुलपति डॉ. च. श्रीनिवास राव, आईसीएआर के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. डी. के. यादव और आईएआरआई के संयुक्त निदेशक (विस्तार) डॉ. आर. एन. पदरिया की उपस्थिति में प्रदान किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), जो भारत में कृषि अनुसंधान के लिए शीर्ष संस्थान है, ने कृषक जगत को उसके प्रिंट मीडिया के माध्यम से सक्रिय रूप से कृषि प्रौद्योगिकी को अपनाने और किसानों के साथ बेहतर जुड़ाव के लिए डिजिटल विस्तार सेवाओं को बढ़ाने के लिए मान्यता दी है। कृषक जगत के प्रयासों को नवाचार और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के बीच की खाई को पाटने में उनके प्रभाव के लिए मान्यता दी गई है।

आदिम जाति कल्याण विभाग के बाबू को सस्पेंड किए जाने पर नारेबाजी, प्रदर्शन

भोपाल (आरएनएस)। राजधानी भोपाल स्थित सतपुड़ा भवन में आदिम जाति कल्याण विभाग के कमिश्नर से नाराज कर्मचारियों ने बुधवार को दफ्तर में जमकर हंगामा कर दिया। कर्मचारियों की नाराजगी एक बाबू को सस्पेंड किए जाने को लेकर थी। नाराज कर्मचारियों की नारेबाजी और प्रदर्शन के बीच आखिरकार अफसरों को समझौता बैठक बुलानी पड़ी। लेकिन प्रदर्शन कर रहे कर्मचारी बंद कमरे में चर्चा करने को लेकर तैयार नहीं हुए। मंत्रालय के समीप सतपुड़ा भवन में यह हंगामा आज सुबह दफ्तर खुलने के साथ शुरू हुआ। इसके बाद एकजुट हुए कर्मचारी अधिकारी के विरुद्ध प्रदर्शन और नारेबाजी करने के लिए एकजुट हो गए। जमकर हंगामे और नारेबाजी के बीच कर्मचारियों के विरोध को देखते हुए दोपहर 12 बजे अधिकारी इस मामले में समझौता बैठक के लिए तैयार हुए। लेकिन कर्मचारी संगठन और कर्मचारी बंद कमरे में बैठक करने के बजाय खुले में चर्चा करने के लिए दबाव बनाते रहे।

घटना को लेकर कर्मचारियों का कहना है कि आज सुबह आदिम जाति कल्याण विभाग के कमिश्नर श्रीमन शुक्ला ने एलडीसी हर्षपाल को फोन किया और कहा कि जल्दी आफिस आ जाओ, आदेश टाइप करना है। बाबू हर्षपाल ने कहा कि आता हूं। इसके बाद वह दस बजे पहुंचा तो कमिश्नर शुक्ला ने उसे डांटते हुए सस्पेंड करने की जानकारी दी और भला बुरा कहा। बोतल उस पर फेंककर मारी।

इसके बाद कर्मचारियों को जानकारी लगने पर सभी एकजुट हो गए और हंगामा कर नारेबाजी करने लगे। विवाद बढ़ता देख कमिश्नर शुक्ला ने पुलिस बुला ली लेकिन तब भी हंगामा नहीं थमा। इसके बाद कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच बैठक कर समझौता करने का निर्णय हुआ लेकिन समझौता हो नहीं सका है।

गुजरात की बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुई दुर्घटना पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने व्यक्त किया शोक

भोपाल (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुजरात के बनासकांठा में हुई दुर्घटना पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं को श्री चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को इस कष्ट को सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की है। साथ ही, दुर्घटना में घायल हुए श्रमिकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में मध्यप्रदेश के श्रमिकों की असामयिक मृत्यु तथा कई श्रमिकों के गंभीर रूप से घायल होने की हृदय-विदारक घटना अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। मध्यप्रदेश सरकार इस दुखद घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। गुजरात सरकार से समन्वय स्थापित कर हरसंभव सहायता सुनिश्चित की जा रही है। मध्यप्रदेश सरकार घायलों के इलाज और प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

5 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला आया सामने

भोपाल (आरएनएस)। घर के सामने रहने वाले युवक ने दिया वारदात को अंजाम..फरूटी पीने के लिए दिए पहले ?100 फिर नाबालिक के साथ किया दुष्कर्ममासूम फरूटी लेकर पहुंची अंडर कंस्ट्रक्शन मकान में मासूम से किया दुष्कर्ममासूम के चिल्लाने पर माता-पिता पहुंचेमौके से फरार हुआ आरोपीडायल 100 को सूचना मिलने के बाद पुलिस ने की कार्यवाहीआरोपी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कियामामले की जांच में जुटी पुलिस..अवधपुरी थाना इलाके का मामला।

गोदामों के निरीक्षण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध करें सख्त कार्रवाईः गोविंद सिंह राजपूत

भोपाल (आरएनएस)। गोदामों का नियमानुसार निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन कराया जाये। इस कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। उपार्जित खाद्यान्न के भंडारण के साथ ही शासकीय गोदामों में उपलब्ध रिक्त क्षमता के उपयोग के लिये अन्य वैकल्पिक व्यवसाय प्राप्त करने के प्रयास करें। शासकीय गोदामों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने यह निर्देश मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन की संचालक मंडल की बैठक में दिये। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि निगम की वर्ष 2016 के बाद प्रतिवर्ष भंडारण शुल्क दरें पुनरीक्षित नहीं की गई हैं। इस कार्य में देरी करने वाले तत्कालीन शाखा प्रभारी रहे महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी करें। उन्होंने नियमानुसार 1 अप्रैल 2025 से नवीन दरें लागू करने की स्वीकृति भी दी। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि गोदामों में उपार्जित अनाज के भंडारण की समय-सीमा निर्धारित की जाये। मैकेनाईज्ड सीड सेग्रीगेशन मशीन का उपयोग सुनिश्चित करें।

मप्र में लोकायुक्त की भूमिका और अस्तित्व पर उठे गंभीर सवाल, सौरभ शर्मा को जमानत मिलने पर जीतू पटवारी का तीखा हमला

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार की नई परतें खुलती जा रही हैं और सत्ता के संरक्षण में बड़े आर्थिक अपराधियों को बचाने का खेल जारी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाल ही में लोकायुक्त की विशेष अदालत द्वारा परिवहन विभाग के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उनके साथियों चेतन सिंह व शरद जायसवाल को जमानत देने के फैसले पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने इस फैसले को लोकायुक्त का दुरुपयोग करार देते हुए कहा कि यह लोकायुक्त की निष्पक्षता और अस्तित्व पर गंभीर सवाल खड़े करता है।पटवारी ने कहा, मध्य प्रदेश के बच्चे-बच्चे को यह जानकारी है कि इस मामले में 52 किलो सोना, करोड़ों की नगदी और रियल एस्टेट में किए गए करोड़ों के निवेश का खुलासा हुआ था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और डायरेक्टोरेट ऑफरेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) जैसी प्रतिष्ठित जांच एजेंसियों ने इस मामले में कार्रवाई की थी, बावजूद इसके लोकायुक्त द्वारा 60 दिनों के भीतर चालान पेश नहीं किया जाना यह सिद्ध करता है कि भाजपा सरकार इस मामले को दबाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।-भाजपा सरकार का असली चेहरा उजागर

जीतू पटवारी ने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं, बल्कि भाजपा के संगठित भ्रष्टाचार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई की मार झेल रही है, टोल टैक्स बढ़ रहे हैं और आम नागरिकों पर आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है, लेकिन यह धन सीधे आर्थिक अपराधियों और भाजपा नेताओं की जेब में जा रहा है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बुधवार को भोपाल हाट बाजार में स्व- सहायता समूह द्वारा संचालित मिलेट कैफे आजीविका स्वाद संगम का शुभारंभ किया

वक्फ संशोधन बिल पर समर्थन की लहर, मंत्री सारंग बोले- गुमराह करने वालों को जनता ने दिया करारा जवाब!

भोपाल (ए.)। वक्फ संशोधन बिल को लेकर चर्चाओं के बीच मध्यप्रदेश के सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस बिल का आम मुसलमान से कोई विरोधाभास नहीं है, बल्कि कुछ अमीर मुस्लिम नेता, जो वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर बेजा कब्जा किए बैठे हैं, वही इसका विरोध कर रहे हैं।

मुस्लिम समाज ने दिखाया समर्थन, झूठे प्रचार करने वालों को दिया जवाब : मंत्री सारंग

मंत्री सारंग ने कहा कि भोपाल में हजारों मुस्लिम भाइयों और बहनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वक्फ संशोधन बिल का खुलकर समर्थन किया है। यह उन नेताओं के लिए करारा तमाचा है, जो इस बिल को लेकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बिल किसी समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के सही उपयोग और आम मुसलमान के हित में लाया गया है।

वक्फ संपत्तियों पर बेजा कब्जा करने वालों में मचा हड़कंप : मंत्री सारंग

मंत्री सारंग ने कहा कि यह बिल केवल उन लोगों के पेट में दर्द पैदा कर रहा है, जिन्होंने अवैध रूप से वक्फ संपत्तियों पर कब्जा कर रखा है। यह आम मुसलमान के खिलाफ नहीं, बल्कि पारदर्शिता लाने और गरीब मुस्लिम समुदाय को इसका सही लाभ दिलाने के लिए बनाया गया है।

राजनीतिक रोटी सेंकने वालों को जनता का करारा तमाचा = मंत्री सारंगउन्होंने कहा कि कुछ नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस मुद्दे पर झूठ फैला रहे हैं, लेकिन भोपाल में मुस्लिम समाज द्वारा दिए गए समर्थन ने इस झूठ को बेनकाब कर दिया है। मंत्री सारंग ने जोर देकर कहा कि जो लोग इस बिल को पढ़ेंगे, वे इसका विरोध नहीं करेंगे।

यह बिल पढ़ने के बाद विरोध नहीं करेगा कोई : मंत्री सारंग

मंत्री सारंग ने जनता से अपील करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन बिल को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करना आवश्यक है। यह कानून मुस्लिम समाज को मजबूत करने और उनकी संपत्तियों का सही उपयोग सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि भोपाल के मुस्लिम समाज ने जिस तरह से इस बिल का समर्थन किया है, वह यह साबित करता है कि यह बिल किसी समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि उनके अधिकारों की रक्षा करने वाला है।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने रचा नया इतिहास

ताप विद्युत गृहों ने किया रिकार्ड 28789.8 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन

भोपाल (ए.) । मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने ताप विद्युत गृहों के माध्यम से ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। पॉवर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों ने कुल 28789.8 मिलियन यूनिट (एमयू) विद्युत उत्पादन कर नया कीर्तिमान बनाया है। यह अब तक किसी भी वित्तीय वर्ष में हुआ सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2023-24 में ताप विद्युत उत्पादन 28627.03 मिलियन यूनिट दर्ज हुआ था। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया ने सर्वाधिक 15042 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। उल्लेखनीय है कि पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता 4570 मेगावाट है। मध्यप्रदेश जनरेटिंग कंपनी के 210 मेगावाट स्थापित क्षमता के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई ने 1546 मिलियन यूनिट, 500 मेगावाट स्थापित क्षमता के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी ने 3756 मिलियन यूनिट, 1340 मेगावाट स्थापित क्षमता के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर ने 8445 मिलियन यूनिट व 2520 मेगावाट स्थापित क्षमता के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया ने 15042 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया।संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 3 ने 4116 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर रिकार्ड बनाया।

प्रदेश में हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में करियर काउंसलिंग की सुविधा

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश में शासकीय हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिये करियर काउंसलिंग एवं गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उचित चयन श्रेष्ठ करियर कार्यक्रम में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में जो विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं हो पाये हैं। उनके अभिभावकों को विद्यालय बुलाकर उसी कक्षा में प्रवेश के लिये काउंसलिंग की जा रही है। ऐसे विद्यार्थी जो आगे की पढ़ाई निरंतर नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें हार के आगे जीत कार्यक्रम में आईटीआई पाठ्यक्रम, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की जानकारी देकर उन्हें व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर और करियर काउंसलर की सेवा लेने के लिये कहा गया है। इस योजना में आवेदकों को अपनी ग्राम पंचायत ग्राम रोजगार सेवक के साथ दाखिला लेने की आवश्यकता है। आवेदक को ट्रेनिंग सेंटर के बारे में जानकारी मिलेगी। इसके लिये आवेदक को आवश्यक पहचान-पत्र, इनमें मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य जानकारी रोजगार सेवक को देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण के बाद ऋण उपलब्ध कराने में आवेदक को पूरी मदद दी जायेगी।प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में देशभर में एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना बनाई गई है। इस योजना में 3 माह, 6 माह और एक साल के लिये युवाओं का रजिस्ट्रेशन किया जाता है। कौशल संबंधी कोर्स पूरा करने के बाद सर्टिफिक्रेट दिये जाने का प्रावधान है। यह सर्टिफिक्रेट पूरे देश में मान्य होता है। इस योजना में भी प्रशिक्षण के बाद ऋण प्राप्त करने की सुविधा है। इस योजना में केन्द्र सरकार ने कई टेलिकॉम कंपनियों को इस कार्य के लिये अपने साथ जोड़ रखा है। मोबाइल कंपनियां इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों को मेसेज करके एक फ्री टोल नंबर देंगी, जिस पर केंडिडेट को मिस्ड कॉल देना होगा।

भोपाल में भिक्षावृत्ति पर लगेगा स्मार्ट निगरानी का पहरा

स्मार्ट सिटी कैमरों से होगी निगरानी, देने-लेने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल जिले में भिक्षावृत्ति पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले की समस्त राजस्व सीमा क्षेत्र में भिक्षावृत्ति पूर्ण रूप से प्रतिबंधित की गई है। भिक्षावृत्ति के मामलों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि भोपाल स्मार्ट सिटी के ट्रैफिक सिग्नलों पर लगे कैमरों की मदद से भिक्षा देने और लेने वाले लोगों की पहचान की जाएगी और उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सभी ट्रैफिक सिग्नलों पर ऑडियो-वीडियो विजुअल्स के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें कलेक्टर एवं पुलिस आयुक्त भोपाल का संदेश प्रसारित किया जाएगा। नगर निगम भोपाल की कचरा संग्रहण गाड़ियों पर भी भिक्षावृत्ति उन्मूलन संबंधी संदेश चलाए जाएंगे ताकि आम नागरिकों में यह समझ बढ़े कि भिक्षावृत्ति एक सामाजिक बुराई और अपराध है, जिसकी आड़ में कई बार नशा, असामाजिक और आपराधिक गतिविधियां पनपती हैं। भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने के लिए एसडीएम की मॉनीटरिंग में सामाजिक न्याय विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम, नगर निगम और पुलिस विभाग के संयुक्त दल बनाये गये है जो औचक कार्यवाहियां करेंगे । साथ ही शांति समिति की बैठक में धर्मगुरुओं के माध्यम से भी समाज में जागरूकता का संदेश फैलाया जाएगा। सामाजिक न्याय विभाग जिले के सभी अनुविभागीय क्षेत्रों में कार्यदल गठित करेगा जो इस अभियान को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करेंगे। बैठक में जिले के सभी एसडीएम, पुलिस अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दसवीं की छात्रा से ज्यादती,एफआईआर दर्ज

भोपाल(आरएनएस)। पिपलानी इलाके में दसवीं कक्षा की छात्रा के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। इंजीनियरिंग छात्र ने इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद पीड़िता को मिलने बुलाया। तब उसने डरा धमकाकर किशोरी के साथ संबंध बनाए। इसके बाद बदनाम करने की धमकी देकर कई बार उसके साथ ज्यादती की। किशोरी के प्रेग्नेंट होने पर मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली।पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय किशोरी दसवीं कक्षा की छात्रा है। वह बागसेवनिया इलाके की एक बस्ती में रहती है। दो दिन अचानक ही किशोरी की तबीयत बिगड़ी, उसके पेट में लगातार दर्द हो रहा था। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पता चला कि किशोरी गर्भवती है। अस्पताल से सूचना मिलते ही बागसेवनिया पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा किशोरी के बयान लिए गए। किशोरी ने बताया कि उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिए अजय गुप्ता नाम के युवक से हुई थी।

जिले में सात और शक्ति दीदियों ने पेट्रोल पम्पों पर संभाली फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी

अब तक जिले की 35 जरूरतमंद महिलायें बन चुकी हैं "शक्ति दीदी"

ग्वालियर (आरएनएस)। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने "शक्ति दीदी" के रूप में जिला प्रशासन ने की है यह पहल सामान्यत : पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में पुरुष ही ज्यादा नजर आते हैं। पर ग्वालियर जिले में जिला प्रशासन के प्रोत्साहन से महिलायें भी यह जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये ग्वालियर जिले में "शक्ति दीदी" के नाम से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा यह प्रेरणादायी पहल की गई है। इस पहल के तहत बुधवार को जिले के 5 और व्यस्ततम पेट्रोल पंप पर 7 महिलाओं ने 'शक्ति दीदी' के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर का मोर्चा संभाल लिया है। जिला प्रशासन व पुलिस ने इन महिलाओं का हौंसला बढ़ाया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बुधवार को सचिन तेंदुलकर मार्ग पर डीबी सिटी के

सामने स्थित साईं हरिलीला पेट्रोल पंप पर श्रीमती लक्ष्मी सक्सेना एवं श्रीमती आरती सिसौदिया का स्वागत कर एवं उन्हें जैकेट पहनाकर शक्ति दीदी बनाया । इसी कड़ी में उन्होंने कलेक्ट्रेट के पीछे स्थित वैश्य एंड मुखर्जी पेट्रोल पंप पर श्रीमती रजनी नामदेव को यह जिम्मेदारी सौंपी । कलेक्टर ने जिलेवासियों से आह्वान किया है कि वे पेट्रोल पंप पर अपने वाहनों में डीजल पेट्रोल भरवाते समय शक्ति दीदियों के प्रति सम्मान का भाव रखें। साथ ही उनकी हौसला अफजाई भी करें। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी, कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास डी एस जादौन व सहायक संचालक राहुल पाठक एवं सहायक जिला आपूर्ति अधिकारी सौरभ जैन, दोनों पेट्रोल पंपों के संचालक व उनके परिजन मौजूद थे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार व एसडीएम डबरा दिव्यांशु चौधरी ने डबरा स्थित विजय डीजल्स पंप पर सुश्री गांधारी बाथम एवं डबरा में ही पारशनाथ फिलिंग पेट्रोल पंप पर सुश्री खुशी सुबानी व सुश्री सीमा शाक्य को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी। संयुक्त कलेक्टर संजीव जैन ने भिण्ड रोड स्थित शारदा फ्यूल पेट्रोल पंप पर सुश्री आरती राठौर को फ्यूल डिलेवरी वर्कर का दायित्व सौंपा।

निहाल देवी मंदिर पर होगा राम महायज्ञ आयोजन समिति व प्रशासन की हुई बैठक, पूर्व मंत्री सिसोदिया सर्वसम्मति से संरक्षक नियुक्त

गुना (आरएनएस)। बमौरी विधानसभा अंतर्गत सिरसी के निहालगढ़ स्थित माँ निहाल देवी मंदिर प्रांगण में मई माह में अंतिम सप्ताह विशाल श्री राम महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा जिसका समापन 5 जून को होगा।

इस संदर्भ में मंगलवार को कलेक्टर सभागार में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया,निहालदेवी माता मंदिर एवं हनुमान मंदिर समिति के सदस्य एवं प्रशासन की ओर से कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल,पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी आमजनों की समस्याएँ, अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

गुना (आरएनएस)। जिला कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में आज जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आवेदकों से चर्चा कर उनसे संबंधित समस्याओं के आवेदन लिए, साथ ही उनके समुचित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आज जनसुनवाई के दौरान अनुकंपा नियुक्ति, राशन कार्ड, पेंशन, कब्जा दिलाने, नामांतरण एवं विद्युत संबंधी विभिन्न मुद्दों पर नागरिकों द्वारा अपने आवेदन दिए गये। इस दौरान विभिन्न आवेदकों द्वारा अपनी समस्याओं से संबंधित लगभग 147 आवेदन प्रस्तुत किये गये। जिनके निर्धारित समयावधि में निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये।

कलेक्ट्रेट में हुआ राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन

गुना (आरएनएस)। अप्रैल माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर जनसुनवाई कक्ष में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, सहित समस्त जिलाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय स्ट्रांग रुम का वार्षिक निरीक्षण

गुना (आरएनएस)। कलेक्टर किशोर कुमार ने मंगलवार को संयुक्त कलेक्ट भवन स्थित जिला कोषालय के स्ट्रांग रूम का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां रखे विभिन्न मूल्यों के स्टांप एवं अन्य मूल्यवान वस्तुओं का अवलोकन किया।

इसके पश्चात कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट के सभी विभागों का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागों में अनावश्यक पड़े सामान को राइट-ऑफ प्रक्रिया के तहत हटाया जाए। साथ ही, सभी दस्तावेजों को स्कैन कर ई-ऑफिस प्रणाली को शीघ्र लागू किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने भू-अभिलेख, खाद्य विभाग एवं निर्वाचन सहित अन्य प्रमुख विभागों का जायजा लिया। कलेक्ट्रेट परिसर का भ्रमण करते हुए उन्होंने बाहरी परिसर में पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नए सेट बढ़ाने की बात कही। इसके साथ ही, योजना बनकर परिसर की बॉउंड्री को पुन: पेंट करने और साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्वच्छता एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के लिये नियमित मॉनिटरिंग की जाए, जिससे कार्यालय परिसर स्वच्छ और व्यवस्थित बना रहे।

ग्वालियर में आकर अध्ययन करने वाले पुलिसकर्मियों के बालकों के लिए ग्वालियर में शुरु हुई हॉस्टल सुविधा

ग्वालियर (आरएनएस)। पुलिस मुख्यालय भोपाल केन्द्रीय कल्याण निधि द्वारा भोपाल, इन्दौर, एवं ग्वालियर में पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों की उच्च अध्ययन हेतु इच्छुक बालक/बालिकाओं के लिए हॉस्टल बनाए गये हैं। ग्वालियर में स्थित हॉस्टल के संचालन समिति का अध्यक्ष पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन, उपाध्यक्ष सेनानी 14वी वाहिनी ग्वालियर, तथा सदस्यगण पुलिस अधीक्षक ग्वालियर, सेनानी 2री वाहिनी एवं 13वी वाहिनी को बनाया गया है, संचालन समिति में सचिव उप सेनानी या सहायक सेनानी को बनाया गया है। ग्वालियर में तैयार किये गये छात्रावास के सफल संचालन हेतु आज आईजी ग्वालियर जोन कार्यालय में पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन श्री अरविन्द सक्सेना(भापुसे) की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित की गई।

सरस्वती शिशु मंदिर रिमझिरिया के तीन आचार्य एवं एक दीदी का सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न

सागर(आरएनएस)। सरस्वती शिशु मंदिर रिमझिरिया में तीन आचार्यों एवं एक दीदी का सेवानिवृत्ति समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम में विधायक शैलेंद्र कुमार जैन सहित अतिथियों ने सेवा निवृत्त आचार्यों और दीदी को शाल श्रीफल और पुष्पमाला से सम्मानित किया।इस अवसर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने अपनी ओर से सभी आचार्यों सत्यनारायण तिवारी,संतोष कुमार प्रजापति,चंद्रकांत पटेलऔर छाया गुप्ता दीदी को 51- 51 हजार रुपए की राशि प्रदान करने की बात कही, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सागर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन उपस्थित थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मध्य क्षेत्र के समरसता प्रमुख सुनील देव जी ने की कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवकुमार चौरसिया,श्रीमती प्रतिभा तिवारी प्राचार्य सुरेंद्र कुमार जैन उपस्थित, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं हो सकता,यह एक पारी की समाप्ति है

गर्मी बढ़ते ही बेकाबू हुए स्ट्रीट डॉग्स

दो मासूम पर किया जानलेवा हमला, पिछले 24 घंटे में तीन अस्पतालों में आए 366 मरीज

ग्वालियर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बीच सड़कों पर घूम रहे आवारा कुत्तों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा। हाल ये हो गए हैं कि दिनों-दिन स्ट्रीट डॉग्स की बढ़ती आबादी के कारण कुत्तों के काटने के मामले (Dog Bite Cases) में भी तेजी आ रही है। वहीं अब गर्मी बढ़ने के साथ ही आवारा कुत्तों हिंसक होने लगे हैं। घर के बाहर खेल रहे दो मासूम बच्चों पर जानलेवा हमला किया। दरअसल, जैसे-जैसे तापमान का पारा चढ़ रहा है वैसे ही आवारा कुत्ते हिंसक होने लगे हैं। और लोगों को काटने की घटनाएं बढ़ रही हैं। जिससे लोगों में डर का माहौल है। शहर में एक बार फिर स्ट्रीट डॉग्स का आतंक देखने को मिला। जहां दो मासूम बच्चों पर जानलेवा हमला किया है। जिसमें 5 साल के मासूम धीरज बघेल की आंख के पास सात टांके आए। वहीं 2 साल की मासूम जान्हवी के चेहरे और आंख के पास काटा।इतना ही नहीं बच्ची को सिर-पैर में भी चोट आई है। परिजनों दोनों को लहूलुहान हालत में जयारोग्य अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन के साथ घावों का इलाज किया। अगर बात बीते 24 घंटे की करें तो शहर के 3 प्रमुख अस्पतालों में डॉग बाइट के 366 मरीज पहुंचे।

बीजेपी कार्यालय के पास से हटाई गई शराब दुकानः संचालक पर शहर अध्यक्ष को लाखों की पेशकश देने के लगे थे आरोप, शॉप हटाने कलेक्टर को लिखा था पत्र

इंदौर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के इंदौर में बीजेपी कार्यालय के पास से शराब की दुकान हटा दी गई है। भाजपा नेताओं ने शराब दुकान हटाने के लिए कलेक्टर को पत्र लिखा था। दुकान संचालक पर शहर अध्यक्ष को लाखों रुपये की पेशकश देने के आरोप लगे थे। विरोध के बाद यह कार्रवाई की गई है। प्रदेश के इंदौर में स्थित बीजेपी कार्यालय के पास से शराब की दुकान थी। दुकान संचालक पर शहर अध्यक्ष को लाखों रुपये की पेशकश देने के आरोप लगे थे। इसके बाद शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने दुकान हटाने के लिए ताला लगाने की चेतावनी दी थी।

घर में घुसकर युवती के साथ दुष्कर्मः शादीशुदा पड़ोसी शख्स ने घिनौनी करतूत को दिया अंजाम

शहडोल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के शहडोल में महिलाएं बच्चियां घर में सुरक्षित नहीं है, जिसकी एक बानगी जिले के सीधी थाना क्षेत्र में देखने को मिली। यहां घर में घुसकर एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पड़ोस में रहने वाले शादीशुदा शख्स ने इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद आपसी समझौते से मामला शांत हो गया था, लेकिन आरोपी युवक के लापता होने पर उसके परिजनों ने पीड़िता के परिजनों पर आरोप

लगाया कि उन्होंने उनके बेटे को गायब किया है। इस बात से नाराज होकर पीड़िता और उसके परिजनों ने सीधी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना सीधी थाना क्षेत्र की है। सीधी थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 23 वर्षीय युवती के साथ उसके ही पड़ोस में रहने वाले 25 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति घर में घुसकर बलात्कार किया। इस बात का खुलासा होने पर पीड़ित युवती व दुराचार करने वाले व्यक्ति के परिवार के लोगों में आपसी सहमति और समझौते के बाद मामला शांत हो गया था।

व्यापार समाचार

2025 की पहली तिमाही में भारत में डील गतिविधियां 29.6 प्रतिशत बढ़ीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में डील गतिविधियां 2025 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च अवधि) में तीन साल के उच्चतम स्तर 27.5 अरब डॉलर पर रही हैं। इसमें पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 29.6 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।एलएसईजी की रिपोर्ट में बताया गया कि इस वर्ष जनवरी से मार्च की अवधि में डील गतिविधियों में सालाना आधार पर 13.6 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला। इस कारण यह 2023 की पहली तिमाही के बाद अब तक की सबसे व्यस्त तिमाही रही है।एलएसईजी डील्स इंटेलिजेंस की वरिष्ठ प्रबंधक एलेन टैन ने कहा, यह वृद्धि मजबूत घरेलू डील गतिविधि और निजी इक्विटी समर्थित अधिग्रहणों में उछाल के कारण है। वैल्यू के हिसाब से भारत के घरेलू सौदों में पावर और एनर्जी सेक्टर की हिस्सेदारी सबसे अधिक 32 प्रतिशत रही।रिपोर्ट में बताया गया कि इस साल पांच में से तीन डील रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में हुई है, जिनकी वैल्यू (विलय और अधिग्रहण मिलाकर) 4.9 अरब डॉलर रही है।टैन ने कहा कि भारत में पावर और एनर्जी, फाइनेंशियल, हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, मटेरियल और मीडिया और एंटरटेनमेंट सहित विभिन्न क्षेत्रों में विलय और अधिग्रहण गतिविधियों में वृद्धि देखी गई। यह विस्तार वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत की आर्थिक मजबूती को दिखाता है।रिपोर्ट में आगे बताया गया कि बाजार में बढ़ती अस्थिरता, भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं ने आत्मविश्वास को कम कर दिया, जिससे वर्ष की शुरुआत में गतिविधि कम हो गई हैं। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, भारत वैश्विक आईपीओ बाजारों में एक प्रमुख खिलाड़ी बना रहा।

वित्त वर्ष 2025 में 4,515 बच्चों को लिया गया गोद, ये 12 वर्षों में सबसे अधिक : केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में बच्चों को गोद लेने की संख्या रिकॉर्ड 4,515 रही, जो पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक है।

इनमें से 4,155 बच्चों को घरेलू स्तर पर गोद लिया गया, जो देश में बच्चों को कानूनी तौर पर गोद लिए जाने के प्रति बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) द्वारा एक मजबूत पहचान अभियान ने 8,598 नए चिन्हित बच्चों को गोद लेने से संबंधित पूल में शामिल किया, जिससे और ज्यादा जरूरतमंद बच्चों को प्यार करने वाले परिवारों का मिलना सुनिश्चित हुआ। इसके अतिरिक्त, गोद लेने की प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए राज्य सरकारों के साथ तालमेल कायम करते हुए गोद लेने से संबंधित 245 नई एजेंसियां स्थापित की गईं।

इस प्रगति में पहचान प्रकोष्ठ का हस्तक्षेप तथा व्यापक प्रशिक्षण एवं जागरूकता अभियान मुख्य कारक रहे। कारा ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गोद लेने की समयसीमा, सीडब्ल्यूसी सदस्यों का प्रशिक्षण, फॉस्टर केयर तथा बच्चों और भावी दत्तक माता-पिता (पीएपी) के लिए गोद लेने संबंधी परामर्शों सहित 45 वर्चुअल प्रशिक्षण सत्रों के साथ-साथ वास्तविक राज्य अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा, गोद लेने संबंधी जागरूकता अभियान के तहत, कारा ने अक्टूबर, 2024

से जनवरी, 2025 तक दत्तक माता-पिता के साथ बैठकें आयोजित करने के लिए 16 राज्यों के साथ भागीदारी की। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर की उपस्थिति में, नवंबर, 2024 में वार्षिक सम्मेलन भी आयोजित किया गया, जिसमें फ़ॉस्टर केयर और गोद लेने की वकालत पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें 500 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया।कारा ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए एक व्यापक बाल पहचान अभ्यास भी शुरू किया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए कारा ने अपनी प्रतिबद्धता का विस्तार करते हुए एक व्यापक बाल पहचान अभ्यास शुरू किया। इस पहल ने बच्चों को पांच समूहों – अनाथ, त्यागे हुए, आत्मसमर्पण करने वाले, बिना किसी मुलाकाती वाले बच्चों और अनुपयुक्त अभिभावकों वाले बच्चों में वर्गीकृत किया। इस महत्वपूर्ण प्रयास का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को गोद लेने के कानूनी ढांचे के दायरे में लाना है, ताकि उनका सुरक्षित और सहयोगपूर्ण घर पाने का अधिकार सुनिश्चित हो सके।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के मार्गदर्शन में कारा ने वैकल्पिक परिवार-आधारित देखभाल को बढ़ाने के लिए नई पहल भी शुरू की है। 2024 में कारा ने बड़े बच्चों को परिवार-आधारित वैकल्पिक देखभाल में रखने के लिए सीएआरआईएनजीएस पोर्टल पर फॉस्टर केयर और फॉस्टर एडॉप्शन मॉड्यूल पेश किए। व्यापक पारदर्शिता और दक्षता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए, कारा ने गोद लेने की प्रक्रियाओं को सुचारु बनाने के लिए डिजिटल हस्तक्षेप लागू किए। डेटा क्लींजिंग से संबंधित पहचान से जुड़ी पहल और गोद लेने के नियम, 2022 के प्रावधानों को शामिल करते हुए सीएआरआईएनजीएस पोर्टल में सुधार किए गए। देश में रिश्तेदार और सौतेले माता-पिता द्वारा गोद लेने के लिए नए मॉड्यूल पेश किए गए, जिससे औसत प्रसंस्करण समय 3-4 महीने तक कम हो गया।

एनएचएआई ने देशभर में हाइवे और एक्सप्रेसवे के टोल में की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने पूरे देश में संचालित किए जाने वाले हाइवे और एक्सप्रेसवे के टोल चार्जेस में औसत 4 से 5 प्रतिशत का इजाफा कर दिया है। इसकी वजह महंगाई के कारण बढ़ती लागत को समायोजित करना था।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह समायोजन एनएचएआई की वार्षिक समीक्षा का हिस्सा है, जो थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति के साथ टोल दरों को संरेखित करता है और अतिरिक्त आय से हाइवे रखरखाव और विस्तार परियोजनाओं को सहायता मिलेगी।

एनएचएआई के नोटिफिकेशन के अनुसार, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सराय काले खां से मेरठ जाने वाली कारों और जीपों के लिए एक तरफ का टोल अब 165 रुपये से बढ़कर 170 रुपये हो जाएगा, जबकि गाजियाबाद से मेरठ जाने के लिए टोल 70 रुपये से बढ़कर 75 रुपये हो जाएगा।इस मार्ग पर हल्के वाणिज्यिक वाहनों और बसों को प्रति ट्रिप 275 रुपये देने होंगे, जबकि ट्रकों को 580 रुपये देने होंगे। एनएच-9 पर छिजारसी टोल प्लाजा पर कारों के लिए टोल 170 रुपये से बढ़कर 175 रुपये हो जाएगा, हल्के वाणिज्यिक वाहनों को 280 रुपये जबकि बसों और ट्रकों को 590 रुपये देने होंगे।लखनऊ से होकर गुजरने वाले हाइवे पर यात्रा करने वाले मोटर चालकों को, जिनमें राज्य की राजधानी को कानपुर, अयोध्या, रायबरेली और बाराबंकी से जोड़ने वाले हाइवे भी शामिल हैं, हल्के वाहनों के लिए प्रति चक्कर 5 से 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे, जबकि भारी वाहनों को 20 से 25 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

व्हाटसएप ने फरवरी में किए 97 लाख अकाउंट बैन, यूजर्स को दिए कई सुझाव

कंपनी ने कहा- वह भारत में अपने करोड़ों यूजर्स की सुरक्षा को लेकर गंभीर

नई दिल्ली,(ए.)। मेटा के स्वामित्व वाली मशहूर मैसेजिंग ऐप व्हाटसएप ने कहा है कि फरवरी 2025 में भारत में 97 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को बैन कर दिया गया है। यह कार्रवाई व्हाटसएप के नियमों और शर्तों का उल्लंघन करने के चलते की गई है। खास बात यह है कि इनमें से 14 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को यूजर्स की शिकायत से पहले ही बैन कर दिया गया था। यह जानकारी व्हाटसएप ने अपनी मासिक सुरक्षा रिपोर्ट में दी है, जो हर महीने जारी की जाती है। इस रिपोर्ट में यूजर्स को सुरक्षित रखने और प्लेटफॉर्म का सही इस्तेमाल करने के लिए कई सुझाव दिए गए हैं।व्हाटसएप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई तकनीकों का इस्तेमाल किया है। साथ ही डेटा साइंटिस्ट्स और विशेषज्ञों की टीम भी इस काम में जुटी है। व्हाटसएप ने यूजर्स से अपील की है कि वे प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करें। इसके लिए कुछ आसान टिप्स भी शेयर किए हैं, जिसमें दूसरों की निजता का सम्मान करना, बार-बार मैसेज न भेजना और ब्रॉडकास्ट लिस्ट का सही तरीके से इस्तेमाल करना शामिल है।साथ ही कंपनी का कहना है कि वह भविष्य में भी ऐसी सख्त कार्रवाइयां जारी रखेगी ताकि प्लेटफॉर्म पर गलत व्यवहार को रोका जा सके।कंपनी ने कहा कि वह प्रयास के साथ भारत में अपने करोड़ों यूजर्स की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि व्हाटसएप यूजर्स को सुरक्षित अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद भी एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में खरीदारी से बाजार को सहारा मिला।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज अंत में 592.93 अंक करीब 0.78 फीसदी की बढ़त के साथ 76,617.44 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 166.65 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी ऊपर आकर 23,332.35 पर बंद हुआ।आज सभी इंडेक्स में तेजी रही। इसमें निफ्टी रियल्टी इंडेक्स ने 3.61 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे अधिक बढ़त दर्ज की।

आधार फेस ऑथेंटिकेशन से हुए 130 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के द्वारा विकसित किए गए आधार फेस ऑथेंटिकेशन सॉल्यूशन से ट्रांजैक्शन में बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है और इस सिस्टम के जरिए हुए कुल लेनदेन में से 78 प्रतिशत अकेले वित्त वर्ष 2024-25 में दर्ज किए गए हैं।

आधार फेस ऑथेंटिकेशन सॉल्यूशन को अक्टूबर 2022 में शुरू किया गया था। इसके माध्यम से अब तक करीब 130.5 करोड़ लेनदेन हो चुके हैं, जिसमें से 102 करोड़ वित्त वर्ष 2024-25 में दर्ज किए गए हैं।

आईटी मंत्रालय ने बयान में कहा कि इसका बढ़ता उपयोग दिखाता है कि लोग इसे तेजी से अपना रहे हैं और आधार नंबर धारकों को इससे फायदा हो रहा है। अकेले जनवरी-मार्च अवधि में करीब 39.5 करोड़ फेस ऑथेंटिकेशन ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड किए गए थे। इसमें से अकेले मार्च में 15.25 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए हैं, जो इसकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है। मंत्रालय ने कहा, यह उपलब्धि फिनटेक, फाइनेंस और दूरसंचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में इस नए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन सिस्टम के प्रति बढ़ते विश्वास और स्वीकृति को दिखाती है।कई सरकारी सेवाएं लक्षित लाभार्थियों तक लाभ की सुचारू डिलीवरी के लिए इसका उपयोग कर रही हैं। साथ ही, पीएम आवास (शहरी), पीएम ई-ड्राइव, पीएम-जेएवाई, पीएम उज्ज्वला, पीएम किसान, पीएम इंटर्नशिप सहित कई प्रमुख योजनाओं में आधार फेस ऑथेंटिकेशन का उपयोग किया जा रहा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

देश का माहैल बिगाड़ने वालों पर सख्ती जरुरी

मुसलमानों को सरकारी ठेकों में चार फीसद आरक्षण देने के के कर्नाटक सरकार के फैसले का राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने विरोध किया है। संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा भारतीय संविधान में धर्म आधारित आरक्षण स्वीकार्य नहीं है, जिसे भीमराव अंबेडकर ने तैयार किया था। संघ का निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के समापन के अवसर पर होसबोले ने कहा, ऐसा करने वाला कोई भी व्यक्ति हमारे संविधान निर्माता के खिलाफ जा रहा है।उन्होंने दोहराया कि पूर्व में अविभाजित आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र की तरफ से किए गए मुसलमानों के लिए आरक्षण के प्रयासों को उच्च न्यायालयों व उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था। महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर उठे विवाद पर उन्होंने कहा औरंगजेब का महिमामंडन किया गया, उसका भाई दारा शिकोह का नहीं, जो सामाजिक सद्भाव में विश्वास रखने वाला शख्स था। भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाने की बात करते हुए उन्होंने महाराणा प्रताप की सराहना की। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को केवल संघ की उपलब्धि न मानते हुए, उन्होंने इसे पूरे हिन्दू समाज की उपलब्धि बताया। हिन्दू संस्कृति व हिन्दू एकता के नाम पर वह अपनी विचारधारा पर जोर देते रहते हैं। गैर-राजनीतिक होने के बावजूद संघ के सदस्य राजनीति में सक्रिय रहते हैं। मौजूदा सरसंघचालक मोहन भागवत कहते हैं, संघ कार्य प्रणाली है और वह व्यक्ति निर्माण करती है। मगर मौजूदा राजनीति व मोदी सरकार पर संघ की विचारधारा की गहरी छाप स्पष्ट है। यहां असल सवाल समुदाय विशेष को दिए गए आरक्षण की नहीं है। अंबेडकर द्वारा तैयार किए आरक्षण को राजनीतिक दलों ने अपने तरीके से परिभाषित करने का तरीका ईजाद कर लिया है, जो अपने फौरी लाभ के लोभ में आरक्षण की घुट्टी पिला कर अपना मतलब निकालने में जुटी नजर आती हैं।बार-बार अदालत के हस्तक्षेप के बावजूद स्वयं केंद्र सरकार ने इसका कोई ठोस हल निकालने की जहमत नहीं की है। हकीकत में संविधान की रक्षा करने के लिहाज से, इतिहास तो किसी कीमत पर बदला नहीं जा सकता पर हमारी कोशिश होनी चाहिए कि समाज में सौहार्द बरकरार रहे। शांति भंग करने व देश का माहैल बिगाड़ने वालों पर सख्ती होनी चाहिए। संविधान की आड़ लेकर एकतरफा बात करना या इसका समर्थन करना कहीं से भी उचित नहीं कहा जा सकता।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री और भारत में चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने नई दिल्ली में भारत और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर केक काटा।

भारत का नक्सलियों पर शिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान?

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनियाँ 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन युद्ध व 7 अक्टूबर 2023 से इज़राइल- हमास युद्ध में भयंकर नतीजे किसी न किसी रूप में भुगत रही है,व ईरान- इजरायल तनाव के चलते पश्चिम एशिया इस्लामिक देशों सहित पूरी दुनियाँ चिंताओं में फंसी नज़र भी आ रही थी। अगर सभी अंतरराष्ट्रीय मंच मिलकर कोई रणनीतिक एक्शन लेते तो आज बात इतनी गंभीर नहीं होती। परंतु जैसे ही ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए इज़राइल-हमास का युद्ध विराम हुआ और अब रूस-यूक्रेन के 30 दिनों के युद्ध हुए राम की तैयारी चल रही है,यानें जो मन में ठान लिया जाए वह क्रियान्वयन होता है अभी जैसे हमारे गृहमंत्री ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद, माओवाद जीरो टॉलरेंस नीति का प्रण लिया है उस पर तेजी से काम शुरू है, इसी कड़ी में वे 4-5 अप्रैल 2025 को फिर दंतेवाड़ा समीक्षा करने जा रहे हैं। ठीक उसी तरह अनेक देशों में घरेलू आतंकवाद माओवाद नक्सलवाद लंबे समय से चल रहा है, परंतु मेरा मानना है कि किसी भी देश नें इस तरह क़े युद्ध आतंकवाद हिंसात्मक गतिविधियों क़ो जीरो टॉलरेंस नहीं कर पाया है,जिसका सबसे अधिक दुष्परिणाम आम आदमियों नागरिकों को ही भुगतना पड़ रहा है,जो वैश्विक स्तरपर या अपने ही देश में राज्य स्तरपर पलायन करते हैं जिनका स्थाई समाधान ढूंढना आज समय की जरूरत है। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 4-5अप्रैल 2025 को इसी नक्सलवाद, माओवाद को टारगेट-2026 रणनीति जीरो टॉलरेंस की समीक्षा के तहत केंद्रीय गृहमंत्री केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी उप राष्ट्रीय सलाहकार केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों सहित अनेको सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। बता दें पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ रायपुर दौरे पर 2026 तक माओवादियों नक्सलवादियों को जीरो टॉलरेंस के लिए नीति की बात कही थी। मेरा मानना है कि नक्सलवाद माओवाद आतंकवाद को जीरो ट्रेवल्स करना है तो उनके साथ आत्मसमर्पण रणनीति

पर जोर देना अधिक उचित होगा जो एक रणनीति के तहत शुरू भी है और अनेक आत्मसमर्पण हुए भी हैं, हिंसात्मक कार्रवाई से पुलिस व नक्सलवादियों में आपसी तनाव व दुश्मनी बढ़ रही है। बता दें मैं खुद नक्सल प्रभावित महाराष्ट्र के गोंदिया जिला क्षेत्र से हूं तो मैं देखता हूं कि गांव में गांववासियों व वहां की लोकल दुकानों को सब कुछ मालूम होते हुए भी चुप रहते हैं। दुश्मनी केवल पुलिस व नक्सलियों के बीच ही दिखती है कभी नक्सली मारे जाते हैं तो कभी पुलिस वाले शहीद होते हैं जो दशकोंसे चला आ रहा है। अब पैटर्न बदलकर आत्मसमर्पण का जोरदार अभियान चलाना भी शुरू है हालांकि यह अभियान अभी भी तेजी से चल रहा है व हाल ही में सैकड़ो नक्सलवादी आत्मसमर्पण भी किए हैं परंतु इसे अनेक रणनीतियां बनाकर अधिक तेज़ी से चलने की जरूरत है,चूँकि टारगेट माओवाद - 31 मार्च 2026 भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति शुरू है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, टारगेट माओवाद 2026-भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति अंतिम पड़ाव में-गृहमंत्री का दंतेवाड़ा दौरा 4-5 अप्रैल 2025, भारत का नक्सलियों परशिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान। मेरा मानना है कि अब ज़रूरतहै, भारत में जिला स्तरीय दबंग माफियाओं सट्टा जुआ किंग्स पर भी रणनीतिक शिकंजा कसने उच्च स्तरीय बैठक़े समय की मांग है।साथियों बात अगर हम भारत में टारगेट माओवाद 2026 की करें तो,देश में नक्सली हिंसा को लेकर केंद्र सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। सरकार का लक्ष्य देश को 31मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने का है, इसे लेकर गृहमंत्री 4 और 5 अप्रैल को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एडवांस पोस्ट पर जाकर नक्सलमुक्त अभियान को लेकर मुआयना करेंगे, इसी के बाद 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन की समीक्षा भी करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री सहित नक्सलवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रभावित राज्यों के पुलिस के आला अधिकारी, अर्धसैनिक बलों और नक्सलवाद के खात्मे में लगे अधिकारियों के साथ गृहमंत्री बैठक करेंगे। बता दें, छतीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों के होने की सूचना पर 28 मार्च यानी शुक्रवार को डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए थे,अभियान के दौरान शनिवार की सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई,इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 16 नक्सलियों को ढेर किया है।सुकमा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया, उन्होंने कहा, नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक ऑपरेशन में 16 नक्सलियों को मार गिराया है और भारी मात्रा में स्वचालित हथियार बरामद किए हैं उन्होंने आगे कहा, पीएम के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यायपालिका की साख खराब

अजीत द्विवेदी

उच्च न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति और तबादले की मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली की जगह क्या राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग यानी एनजेएसी का विकल्प ज्यादा बेहतर है? इस पर एक बार फिर बहस छिड़ी है।दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी की बरामदगी के बाद यह चर्चा शुरू हुई है। कहा जा रहा है इस तरह की घटनाओं से न्यायपालिका की साख खराब हो रही है। लोगों का भरोसा उठ रहा है और न्याय प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।

यह भी कहा जा रहा है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि कॉलेजियम प्रणाली के तहत जज ही जजों की नियुक्ति करते हैं। इसके बरक्स यह दलील दी जा रही है कि अगर जजों की नियुक्ति की यह आंतरिक प्रक्रिया समाप्त कर दी जाए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग बना कर उसके जरिए नियुक्ति हो तो अदालतों में भाई भतीजावाद भी बंद हो जाएगा और भ्रष्टाचार के मामले भी समाप्त होंगे। इससे न्यायपालिका की साख बहाल होगी।सुनने में यह तर्क बहुत अच्छा लग रहा है। किसी को यह बात अपील करेगी कि जज खुद ही जजों की नियुक्ति करते हैं तो वे क्यों नहीं अपने जानने वालों को या अपने रिश्तेदारों को तरजीह देंगे?

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया में एक खास किस्म के इकोसिस्टम के जरिए इस नैरेटिव को स्थापित किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट में जजों के बेटे, बेटियां या भाई, भतीजे ही जज बनते हैं।सुप्रीम कोर्ट के पिछले चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के हवाले से यह नैरेटिव ज्यादा मजबूती से प्रचारित हुआ। लोगों को बताया गया कि उनके पिता भी देश के चीफ जस्टिस रहे थे। ऐसा नहीं है कि न्यायपालिका की साख खराब करने वाला प्रचार सिर्फ नियुक्ति और भाई भतीजावाद तक सीमित है। पिछले कुछ समय से दक्षिणपंथी विचार वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए और दक्षिणपंथी विचार वाले कानूनी जानकारों के लेखों और भाषणों के जरिए सुनियोजित ढंग से न्यायपालिका को निशाना बनाया जा रहा है।फैसलों में देरी के हवाले दिए जा रहे हैं। अदालतों में लंबित मुकदमों को मुद्दा बनाया जा रहा है। लंबी छुट्टियों के लिए अदालतों को टारगेट किया जा रहा है। किसी जज या वरिष्ठ वकील के रिश्तेदार जज बनते हैं तो उसके हवाले कॉलेजियम प्रणाली को निशाना बनाया जा रहा है और अगर बीच में कहीं भ्रष्टाचार का कोई मामला आ गया तब तो पूरा सिस्टम ही न्यायपालिका पर टूट पड़ रहा है। याद नहीं आता है कि आजाद भारत में कभी न्यायपालिका इस तरह निशाने पर रही हो।तभी यह खटका होता, संदेह पैदा होता है कि आखिर अचानक न्यायपालिका को क्यों इतना निशाना बनाया जा रहा है? क्यों उसकी साख खराब की जा रही है? क्या विधायिका पर नियंत्रण, प्रतिबद्ध कार्यपालिका और प्रतिबद्ध मीडिया के बाद अब प्रतिबद्ध न्यायपालिका की जरुरत है? क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को पूरी तरह से कार्यपालिका या विधायिका के अधीन लाने की पृष्ठभूमि तैयार करने के लिए यह सब किया जा रहा है?जस्टिस यशवंत वर्मा प्रकरण के बाद जिस तरह से कॉलेजियम प्रणाली के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है और एनजेएसी की चर्चा शुरू हुई उससे संदेह और गहरा होता है।संसद के बजट सत्र के दौरान इस बात पर सहमति बनाने का प्रयास हो रहा है। सरकार और विपक्षी पार्टियों की साझा सहमति से विधायिका की सर्वोच्चता बनाने की बात हो रही है। सबको पता है कि भारत में विधायिका की सर्वोच्चता का मतलब कार्यपालिका की सर्वोच्चता होता है।भारत में अमेरिका या दुनिया के दूसरे लोकतांत्रिक देशों की तरह विधायिका पूरी तरह से स्वायत्त नहीं है। उसमें वही काम होता है, जो सरकार चाहती है। तभी विधायिका की सर्वोच्चता की बात संदेह पैदा करती है। कहा जा रहा है कि एनजेएसी या इस तरह का कोई अधिकरण बनेगा तो जजों द्वारा जजों की नियुक्ति का सिस्टम बंद होगा और एक स्वायत्त संस्था जजों की नियुक्ति करेगी।लेकिन सवाल है कि क्या एनजेएसी या ऐसी कोई भी संस्था स्वायत्त होगी या कार्यपालिका के नियंत्रण वाली होगी? यह भी सवाल है कि क्या जजों की नियुक्ति का मामला पूरी तरह से कार्यपालिका के हाथ में दिया जा सकता है? आज देश की बाकी तमाम संस्थाएं जिस तरह पूर्वाग्रह के साथ काम कर रही हैं, तमाम एजेंसियां और संवैधानिक वैधानिक संस्थाएं जिस तरह से राजनीतिक और वैचारिक विपक्ष को सरकार का दुश्मन मान कर उनके खिलाफ एकतरफा कार्रवाई कर रही है, क्या गारंटी है कि जजों की नियुक्ति वाला पैनल उसी अंदाज में काम नहीं करेगा और उसके बाद न्यायपालिका भी पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में नहीं आ जाएगी? वैसे जजों की नियुक्ति का जो मौजूदा सिस्टम है उसमें भी सरकार की बड़ी भूमिका है। ऐसा नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम जिसका नाम भेज दे वह जज हो ही जाता है। सरकार जिसकी चाहे उसकी सिफारिश रोक सकती है।यहां तक कि दोबारा भेजी गई सिफारिशें भी रोकी जा सकती हैं। खुफिया सूचना के आधार पर सरकार सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशें रोकती रही है। लोगों को ध्यान होगा कि कैसे सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस तीरथ सिंह ठाकुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने रोने लगे थे। हाथ जोड़ कर अनुरोध कर रहे थे कि कॉलेजियम की ओर से भेजी गई सिफारिशों को सरकार मंजूरी दे दे। कितनी बार सुप्रीम कोर्ट को चलती सुनवाई के बीच सरकार से कहना पड़ा है कि वह सिफारिशें लटकाए नहीं। लेकिन सरकार पास एक सीमित वीटो का अधिकार है, जिससे वह जजों की नियुक्ति की सिफारिशें रोक देती है।अगर सरकार इससे भी ज्यादा अधिकार चाहती है, संपूर्ण वीटो चाहती है तो इसका मतलब है कि वह न्यायपालिका को नियंत्रित करना चाहती है। यह स्थिति कॉलेजियम के मौजूदा सिस्टम से ज्यादा खतरनाक हो सकती है।

मेष राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। करियर में कुछ उलझनें आएंगी लेकिन किसी अनुभवी सीनियर्स की मदद से आपको समाधान मिलेगा। आज घर में बच्चों के साथ आपका अच्छा टाइम बितेगा। माता-पिता बच्चों को अच्छी सलाह भी दे सकते है।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही खास है, अपना समय शॉपिंग में बिता सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आ सकता है। दांपत्य जीवन में आज मधुरता बनी रहेगी। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए। दोस्तों की सलाह आज आपके बहुत काम आएगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। व्यापार के मामले में आज का दिन अच्छा रहने वाला है, बेहतर होगा किसी भी मौके को हाथ से न जाने दें। आज आप जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे। आज आप हर तरह के काम निपटाने के लिए तैयार रहेंगे। आज आपको सोचे हुए कामों से फायदा हो सकता है। रुके हुए कार्यों को पूरा करने की कोशिश करें, तो सफलता मिल सकती है।

कर्क राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आप परिवारवालों के साथ समय बिताएंगे। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स कॉलेज में कुछ नया सीखेंगे। रोज की अपेक्षा आज व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत रहेगा। मां कूष्मांडा को फूल अर्पित करें, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

सिंह राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किए गए कामों की तारीफ होगी। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं।

कन्या राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको मेहनत का फल जरूर मिलेगा। कई दिनों से चल रहीं कड़ी मेहनत आज आपको सफल बना सकती है। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिन्हे आप बखूबी निभाएंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आस-पास के कई लोग आपको सलाह देंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज घर के वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह देंगे, उनकी सलाह को नजरअंदाज न करें। आज आपको पुरानी बातें याद आ सकती हैं। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अच्छी होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि की महिलाएं, जो घर पर ही बिजनेस करने की सोच रही है उनके लिए आज का दिन अच्छा है। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है। अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय ईश्वर की आराधना के लिए निकाले, मन शांत रहेगा। अपने जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाएं जिससे अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी।

धनु राशि:आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। अगर आप नई जमीन लेने का प्लान बना रहे हैं तो घर के बड़ों की राय जरूर ले। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। लवमेट एक दूसरे से अपने मन की बात शेयर करेंगे। शाम को परिवार के साथ किसी जरूरी मामले पर बात होगी जहां आप खुलकर अपनी राय रखेंगे। आप किसी नई तकनीक को सीखने की कोशिश करेंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित रहेंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में व्यतीत करेंगे, यह देखकर आपके घरवालों को खुशी होगी। इस राशि के टेक्सटाइल व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा होने के योग बने हुए है। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। दांपत्य जीवन में खुशियां आने से आप पूरे दिन प्रसन्न रहेंगे।

कुंभ राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। ऑफिस में कार्यशीलता के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं। दोस्ती में चल रही अनबन को ख़त्म करने के लिए आप दोस्ती का हाथ बढ़ा सकते हैं। आपको किसी महिला मित्र का सहयोग मिलेगा। आपकी सकारात्मक सोच आपको लाभ दिलायेगी। लवमेट आज अपने रिश्ते की बात घर पर करेंगे।

मीन राशि: आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। आज आप धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन थोड़ा अच्छा रहेगा। करियर संबंधी चुनाव आपको थोड़ी परेशानी में डाल सकता है लेकिन सही पॉइंट का चुनाव करना बेहतर रहेगा। माता-पिता से आशीर्वाद लेने से आपकी सभी परेशानियों से राहत मिल जाएगी।

लोकतंत्र का दिखावा बिखर रहा

शुरुति व्यास

क्या आपको एलेक्सी नवलनी याद हैं? वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए बड़ा खतरा बन गए थे। नतीजतन पुतिन ने नवलनी को मरवा दिया। और उसके बाद से पुतिन चैन की बंसी बजा रहे हैं।

तुर्की में भी एक नवलनी उभरा है। वे इस्तांबुल के मेयर इकरम इमामोग्लु हैं, जिन्हें तुर्की के अगले राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार माना जा रहा है। वे देश के 71 वर्षीय थके-मांदे राष्ट्रपति रजब तैयब इर्दोगान के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं।

यही वजह है कि इर्दोगान ने 19 मार्च को इमामोग्लु को गिरफ्तार करवा दिया। उसी दिन 105 अन्य व्यक्तियों की गिरफ्तारी के वारंट भी जारी किए गए, जिनमें इमामोग्लु के कुछ सलाहकार, उनकी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) से जुड़े कुछ म्युनिसिपिल पदाधिकारी और शीर्षस्थ पत्रकार भी शामिल हैं।देखते ही देखते देश में अफरातफरी के हालात बन गए। देश राजनैतिक संकट में फंस गया। तुर्की के लोकतंत्र के लिए यह एक बड़ा खतरा है।इमामोग्लु के समर्थक सड़कों पर उतर आए। उन्होंने चक्का जाम किए और जिस थाने में उन्हें गिरफ्तारी के बाद ले जाया गया था, उसके सामने विरोध प्रदर्शन किया। ये विशाल प्रदर्शन पिछले एक दशक के दौरान हुए सबसे बड़ा प्रदर्शन था। इन हालातों में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया और 'दि इकोनोमिस्ट' के अनुसार तुर्की के अधिकारियों ने पुराना सोवियत नुस्खा अपनाया: ''जिसके खिलाफ कार्यवाही करनी हो, उसका नाम किसी न किसी अपराध से जोड़ दो''।

पिछले तीन सालों के दौरान इमामोग्लु को कई जांचों और आरोपों का सामना करना पड़ा है, जो भ्रष्टाचार से लेकर उन चुनाव अधिकारियों के अपमान तक से संबंधित थे, जिन्होंने उन्हें 2019 में मेयर पद के चुनाव में जीत से महरूम रखने का प्रयास किया था। अब उन पर एक आपराधिक गिरोह का सरगना होने, एक आतंकवादी समूह की मदद करने, सरकारी ठेकों में रिश्वतखोरी और हेराफेरी आदि के कई प्रकार के आरोप लगाए गए हैं।तुर्की के अधिकारियों ने इस बात का खंडन किया है कि इमामोग्लु, जो राष्ट्रपति के प्रतिद्वंद्वी हैं, पर लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। इमामोग्लु बहुत थोड़े समय में ही राष्ट्रपति इर्दोगान और उनकी सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। उनके नेतृत्व में पिछले वर्ष स्थानीय चुनावों में विपक्ष ने जीत हासिल की।यह इर्दोगान और उनकी सत्ताधारी जस्टिस एंड डेव्लपमेंट (एके) पार्टी की बीस सालों से अधिक की अवधि में पहली हार थी। उस जीत के बाद से वे जनमत संग्रहों में इर्दोगान पर अच्छी खासी बढ़त बनाए हुए हैं और 2028 में होने वाले चुनाव, जिनके बारे में कहा जा रहे है कि वे निर्धारित समय के पहले ही करा लिए जाएंगे, में उनका राष्ट्रपति पद का विपक्ष का उम्मीदवार बनना लगभग तय माना जा रहा है। तुर्की का लोकतंत्र का मुखौटा हटता जा रहा है और वहां ऐसे हालात बनते जा रहे हैं जिनमें राजनैतिक प्रतिस्पर्धा लगभग असंभव होती जा रहा है।

ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि अंकारा के मेयर, जो राष्ट्रपति पद के एक अन्य संभावित दावेदार हो सकते हैं, को भी इमामोग्लु जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

लोकतंत्र का दिखावा बिखर रहा है और यह तुर्की की अर्थव्यवस्था पर भी बहुत बुरा असर डाल रहा है। तुर्की की मुद्रा लीरा, जो पिछले कुछ सालों में कमखर्ची और ब्याज में वृद्धि के चलते कुछ मजबूत हुई थी, की कीमत में इमामोग्लु की गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों के भीतर डालर की तुलना में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ गई।

तुर्की पिछले कई सालों से आर्थिक संकट से जूझ रहा है जिसके चलते जीवन अधिक खर्चीला हो गया है, और जिसके कारण इन प्रदर्शनों के बहुत पहले से सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था।

मणिकर्ण हादसा : दरकते पहाड़ बेमौत मरते लोग दोषी कौन?

- नरेंद्र भारती

पल भर में ही लाशों के ढेर लग गए और जिन्दा मानव चिथड़ों में बदल गए शव क्षत विक्षत हो गएद्य चारों तरफ चीखो पुकार मच गई लोग एकदम दफन हो गए धार्मिक नगरी श्मशान बन गई कैसी विडंबना है की नवरात्रि के पहले दिन धार्मिक मनीकरण में छः लोग काल के गाल में समा गए बंगलुरु से घूमने आये पर्यटकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी द्य फितरती व लालची मानव पहाड़ों का सीना छलनी कर रहा है और दरकते पहाड़ लोगों की जिंदगी लील रहे हैं पहाड़ों से छेड़छाड़ मत कीजिये अगर छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रतिदिन हादसे होते रहेंगे चट्टाने काल बनकर बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतार रही हैं भरमौर से लेकर किन्नौर तक पहाड़ो से चट्टानें गिर रही हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं ताज़ा घटनाक्रम में कल रविवार को मनीकरण में पहाड़ी से अचानक विशालकाय पेड़ गिरने से छः लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और छः लोग घायल हो गए यह हादसा गुरुद्वारा साहिब के नजदीक हुआ इस पेड़ की चपेट में आने से बेमौत मारे गए मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक थे कुछ स्थानिय लोग भी हैं यह पर्यटक बंगलुरु के रहने वाले थे इनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष हैं यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले काफ़ी दर्दनाक हादसे हो चुके हैं लेकिन कोई सबक नहीं सीख रहा है अगर पिछले हादसों से सबक लिया होता तो आज यह हादसा नहीं होता और लोग असमय नहीं मारे जाते 2024 में चंडीगढ़ -मनाली हाईवे पर नौ मील के पास देर रात हादसा हो गया केलांग से शिमला जा रही सरकारी बस पर चट्टान गिरने से तीन सवारियां घायल हो गई थी बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा होने से टल गया था द्य साल 2023 में भी एक कार पर बड़ी चट्टान गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी किन्नौर में भी ऐसा ही हादसा हुआ था जहाँ दो लोग चट्टान के नीचे दब कर मारे गए थे हनोगी के पास भी एक कार पर विशालकाय पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी भरमौर में भी ऐसा दर्दनाक हादसे में तीन लोग मारे गए थे द्य यह हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं सरकार व प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि भविष्य में इन दर्दनाक हादसों पर रोक लग सके फोरलेन के लिए.सड़क को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को मशीनों से काटा जा रहा और पहाड़ से बड़े बड़े पत्थर गिर रहे हैं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार 03 अप्रैल 2025, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

रांची के पास गांव में जुलूस के दौरान दो पक्षों में संघर्ष, आठ घायल

रांची, (आरएनएस)। रांची के पिठौरिया थाना क्षेत्र के हेठबालू गांव में मंगलवार की रात आदिवासियों के त्योहार सरहुल पर निकाले गए जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति है। इस संघर्ष में दोनों पक्ष से करीब सात-आठ लोग घायल हो गए हैं।

घायलों में एक आदिवासी पाहन (पुजारी) भी हैं। हालांकि, इस घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस-प्रशासन की टीम ने स्थिति को तत्काल काबू में कर लिया। इसके बाद गांव में बड़ी तादाद में पुलिस बल की तैनाती की गई है। बताया गया है कि हेठबालू गांव में एक समुदाय के लोगों ने अपने त्योहार को लेकर सड़क के दोनों छोर पर बिजली की लड़ियां लगाई थीं।

मंगलवार को सरहुल पर इसी रास्ते से जब जुलूस निकला, तो उनके झंडों से सड़क किनारे लगी बिजली की कई लड़ियां टूट गईं। इसी बात पर दो पक्षों में विवाद इस कदर बढ़ा कि दोनों ओर से लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने लगे। सरहुल जुलूस का नेतृत्व करने वाले पाहन सहित कई अन्य को गंभीर चोटें आईं।

घटना की जानकारी के बाद मौके पर डीएसपी अमर कुमार पांडेय, थाना प्रभारी अभय कुमार, कांके सीओ जय कुमार राम, प्रमुख सोमनाथ मुंडा, उपप्रमुख अंजय बैठा सहित कई अन्य लोग पहुंचे। उन्होंने मध्यस्थता करते हुए दोनों पक्ष के लोगों को शांत कराया। घायल हुए सभी लोगों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इस घटना को लेकर बीजेपी के राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए राज्य में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया है।

हाईकोर्ट का अहम फैसला : दबाव व धोखे से धर्म परिवर्तन गंभीर अपराध, समझौते से केस रद्द नहीं

प्रयागराज (आरएनएस)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि मतांतरण केवल हृदय परिवर्तन और ईमानदारी से विश्वास के आधार पर ही वैध माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि धोखे या दबाव में कराया गया मतांतरण न सिर्फ अवैध है, बल्कि यह एक गंभीर आपराधिक कृत्य भी है। ऐसे मामलों में पक्षों के बीच समझौता होने पर भी केस को खत्म नहीं किया जा सकता।

यह फैसला न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने रामपुर निवासी तौफीक अहमद की याचिका खारिज करते हुए सुनाया। याची पर हिंदू लड़की को धोखे से प्रेमजाल में फंसाकर मतांतरण और दुष्कर्म का आरोप है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने हिंदू नाम रखकर सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती की, फिर शादी का झांसा देकर छह माह तक बंधक बनाए रखा।

अलवर साइबर सेल पर लॉ स्टूडेंट से मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने किया इनकार

अलवर (आरएनएस)। राजस्थान के अलवर जिले में साइबर सेल के पुलिसकर्मियों पर एक लॉ स्टूडेंट के साथ मारपीट, छेड़छाड़ और मोबाइल छीनने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता का दावा है कि उसने अपनी शिकायत को लेकर कई बार पुलिस के पास गुहार लगाई, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई।पीड़िता के मुताबिक किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम और मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बनाए थे। इन अकाउंट्स को हटवाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग लेकर वह साइबर सेल पहुंची थी। लेकिन उसका आरोप है कि वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसके साथ मारपीट की, अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और छेड़छाड़ की। इतना ही नहीं, पुलिसकर्मियों ने उसका मोबाइल छीन लिया और उसे धमकाने की कोशिश की।पीड़िता के मुताबिक, जब स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की तो वह अतिरिक्त जिला कलेक्टर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची। लेकिन वहां भी उसे एक घंटे तक इंतजार कराया गया और कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

वित्त वर्ष 2025 में भारत का रक्षा निर्यात 12 प्रतिशत से अधिक बढ़ा, 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने हाल ही में जानकारी देते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का रक्षा निर्यात बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये (करीब 2.76 अरब डॉलर) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2024 में 21,083 करोड़ रुपये की तुलना में रक्षा निर्यात में 2,539 करोड़ रुपये यानी 12.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (डीपीएसयू) ने वित्त वर्ष 2025 में अपने निर्यात में 42.85 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच और ग्लोबल सप्लाई चेन का हिस्सा बनने की भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2025 में रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र और डीपीएसयू ने क्रमश: 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान दिया है, जबकि वित्त वर्ष 2024 के लिए यह आंकड़ा क्रमश: 15,209 करोड़ रुपये और 5,874 करोड़ रुपये था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2029 तक रक्षा निर्यात को बढ़ाकर

50,000 करोड़ रुपये करने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर सैन्य बल से विकसित होकर भारत अब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उत्पादन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने वाला बन गया है।रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में गोला-बारूद, हथियार, सब सिस्टम/सिस्टम, पार्ट्स और घटकों से लेकर कई तरह की वस्तुओं का निर्यात लगभग 80 देशों को किया गया है।मंत्रालय के अनुसार, रक्षा उत्पादन विभाग के पास निर्यात से जुड़े ऑथोराइजेशन रिक्वेस्ट की एप्लीकेशन और प्रोसेसिंग के लिए एक डेडिकेटेड पोर्टल है।वित्त वर्ष 2024-25 में 1,762 निर्यात से जुड़े ऑथोराइजेशन जारी किए गए, जबकि इससे पिछले वर्ष 1,507 निर्यात से जुड़े ऑथोराइजेशन जारी किए गए थे, जो 16.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है।इसी अवधि में निर्यातकों की कुल संख्या में भी 17.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन में 3 लाख करोड़ रुपये हासिल करना है, जिससे देश की ग्लोबल डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थिति मजबूत होगी। लगभग 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण अब घरेलू स्तर पर निर्मित होते हैं, जो पहले के 65-70 प्रतिशत आयात निर्भरता से एक बड़ा बदलाव है।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव और केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं योजना राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की.

प्रधानमंत्री मोदी 14 अप्रैल को करेंगे हरियाणा का दौरा, हिसार और यमुनानगर में होंगे कार्यक्रम

चंडीगढ़ (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हरियाणा के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी हिसार और यमुनानगर जाएंगे। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री पहले हिसार पहुंचेंगे और उसके बाद दोपहर 2 बजे यमुनानगर में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हिसार और यमुनानगर दोनों स्थानों पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में बड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिसमें प्रधानमंत्री जनता को संबोधित करेंगे और राज्य की विकास योजनाओं पर बात करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के इस दौरे को लेकर राज्य सरकार की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। श्याम सिंह राणा ने इस दौरान फसलों की खरीद को लेकर भी अहम जानकारी साझा की।उन्होंने कहा कि आज से शुरू हुई फसलों की खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि हरियाणा के सभी मंडियों में फसलों की खरीदारी

सुचारू रूप से की जाएगी। कृषि मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने फसल खरीद को लेकर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। मंडियों में बारदाने की उपलब्धता समेत अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की गई है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य यह है कि किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य मिले और उन्हें किसी प्रकार का दिक्कत न हो। इस दौरान मंडियों में आने वाली सभी फसलों की खरीद की जाएगी और किसानों को उनकी मेहनत का पूरा भुगतान समय पर किया जाएगा।

हरियाणा में बिजली 20 पैसे प्रति यूनिट महंगी, नए टैरिफ ढांचे में 300 यूनिट तक मासिक शुल्क खत्म

चंडीगढ़ ,(आरएनएस)। विधानसभा और निकाय चुनाव के बाद हरियाणा के 81 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को झटका लगा है। प्रदेश में घरेलू बिजली के श्रेणी-1 उपभोक्ताओं के (0-50 व 51-100) और श्रेणी-2 (0-150) में

बिजली दर में 20 पैसे प्रति यूनिट की दर से वृद्धि की गई है। अब नई टैरिफ व्यवस्था शुरू की गई है। इसमें 300 यूनिट तक मासिक ऊर्जा खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं पर कोई निश्चित शुल्क नहीं लगाया जाएगा, जो 115 से 125 रुपये तक अलग-अलग श्रेणियों में लगता था। इसके अलावा बल्क उपभोक्ताओं के लिए 40 पैसे प्रति यूनिट की दर से वृद्धि हुई है।घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को लोड के आधार पर 3 श्रेणियों में बांटा गया है। कुल घरेलू उपभोक्ताओं में से लगभग 78 प्रतिशत लोग 2 किलोवाट तक लोड वाले हैं। लगभग 16 फीसदी 2 से 5 किलोवाट तक और केवल 6 फीसदी 5 किलोवाट से अधिक लोड वाले हैं। 151-250 के स्लैब को बदलकर अब 151 से 300 यूनिट तक कर दिया है। दूसरे स्लैब 251 से 500 यूनिट को बदलकर अब 301 से 500 यूनिट कर दिया गया है। 501 से 800 वाले स्लैब को बदलकर अब 500 यूनिट के ऊपर का एक स्लैब माना जाएगा।

हिमाचल में मनरेगा में मजदूरी करने वालों के लिए खुशखबरी, सभी मजदूर बीपीएल में होंगे शामिल

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल में 100 दिन मनरेगा में काम करने वाले मजदूर भी अब बीपीएल में शामिल होंगे। पंचायतीराज विभाग ने बीपीएल श्रेणी के लिए मापदंड तय कर दिए हैं। उसे श्रेणी में मनरेगा मजदूरों को भी सशर्त शामिल कर दिया है। इस योजना के तहत प्रदेश की लाखों मनरेगा मजदूरों को लाभ मिलेगा।

इस समय प्रदेश में 1,07,907 मजदूरों ने 100 दिन मनरेगा के तहत मजदूरी की है। इसमें बिलासपुर में 2,965, चंबा में 28,502, हमीरपुर में 2,851 कांगड़ा में 8,678 किन्नौर में 1,147 कुल्लू में 11,169 लाहौल और स्पीति में 76, मंडी में 30,284 शिमला में 9,933 सिरमौर में 6,605 सोलन में 2,350 और ऊना में 3347 मनरेगा मजदूरों ने 100 दिन मजदूरी करके काम किया है। अब देखना यह है कि पंचायतीराज विभाग ने जो मापदंड तय किए है, उसका फायदा मनरेगा मजदूर बीपीएल की श्रेणी में शामिल होने में कितना उठा पाते हैं।

पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए अभियान तेज, बरनाला में मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने की बैठक

बरनाला (आरएनएस)। पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई 'युद्ध नशे विरुद्ध' मुहिम के तहत पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बरनाला के जिला प्रशासनिक परिसर के मीटिंग हॉल में सिविल, पुलिस प्रशासन और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने नशे के खिलाफ चल रहे अभियान को और तेज करने के निर्देश दिए।मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि पंजाब की युवाशक्ति को बर्बाद करने वाले नशा तस्करों के लिए अब राज्य में कोई जगह नहीं है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशे के खात्मे और युवाओं को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए यह व्यापक अभियान निरंतर जारी रखा जाए।उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पिछले तीन वर्षों से नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है, जबकि पिछली सरकारों ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।बैठक में विभिन्न विभागों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट साझा की। मंत्री ने बताया कि बरनाला जिले की 175 पंचायतों ने नशे के खिलाफ शपथ ली है और जिला प्रशासन नशा छोड़ चुके युवाओं को प्रेरणा स्रोत बनाकर दूसरों को प्रोत्साहित कर रहा है। जिला स्तर पर आयोजित लाइट एंड साउंड शो में करीब 4,000 लोग शामिल हुए। अब गांवों में नुक्कड़ नाटकों के जरिए जागरूकता फैलाई जाएगी।

वाहन चालकों को झटका: हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर सफर करना हुआ महंगा; एनएचएआई ने 5 प्रतिशत तक बढ़ाए टोल टैक्स

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने पूरे देश में संचालित किए जाने वाले हाइवे और एक्सप्रेसवे के टोल चार्जेस में औसत 4 से 5 प्रतिशत का इजाफा कर दिया है। इसकी वजह महंगाई के कारण बढ़ती लागत को समायोजित करना था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह समायोजन एनएचएआई की वार्षिक समीक्षा का हिस्सा है, जो थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति के साथ टोल दरों को संरेखित करता है और अतिरिक्त आय से हाइवे रखरखाव और विस्तार परियोजनाओं को सहायता मिलेगी।

एनएचएआई के नोटिफिकेशन के अनुसार, दिल्ली-मेरठ

एक्सप्रेसवे पर सराय काले खां से मेरठ जाने वाली कारों और जीपों के लिए एक तरफ का टोल अब 165 रुपये से बढ़कर 170 रुपये हो जाएगा, जबकि गाजियाबाद से मेरठ जाने के लिए टोल 70 रुपये से बढ़कर 75 रुपये हो जाएगा।

इस मार्ग पर हल्के वाणिज्यिक वाहनों और बसों को प्रति ट्रिप 275 रुपये देने होंगे, जबकि ट्रकों को 580 रुपये देने होंगे। एनएच-9 पर छिजारसी टोल प्लाजा पर कारों के लिए टोल 170 रुपये से बढ़कर 175 रुपये हो जाएगा, हल्के वाणिज्यिक वाहनों को 280 रुपये जबकि बसों और ट्रकों को 590 रुपये देने होंगे।लखनऊ से होकर गुजरने वाले हाइवे पर यात्रा करने वाले मोटर चालकों को, जिनमें राज्य की राजधानी को कानपुर, अयोध्या, रायबरेली और बाराबंकी से जोड़ने वाले हाइवे भी शामिल हैं, हल्के वाहनों के लिए प्रति चक्कर 5 से 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे, जबकि भारी वाहनों को 20 से 25 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

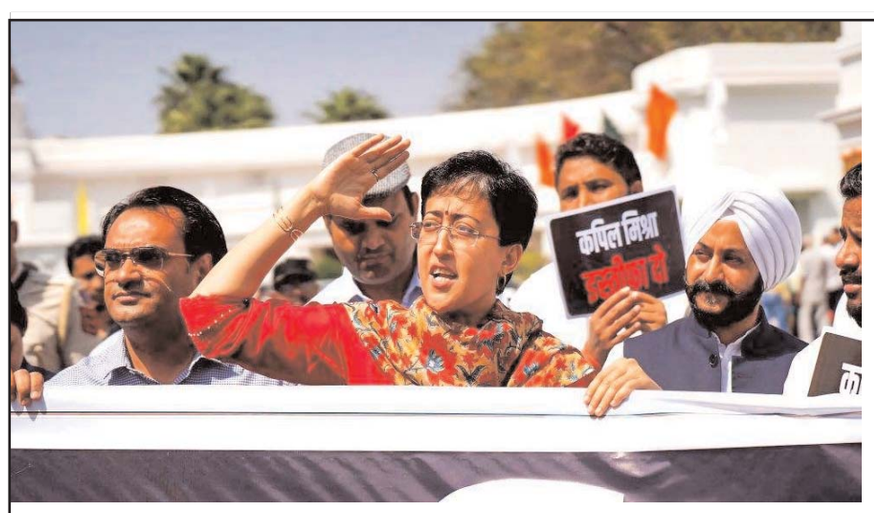

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने पार्टी विधायकों के साथ दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा की गिरफ्तारी और बर्खास्तगी की मांग को लेकर नई दिल्ली में विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनके भाषण को दिल्ली दंगों से जोड़ने का आदेश दिया है।

धर्मेंद्र प्रधान का सोनिया गांधी को जवाब, 'एनईपी 2020 जनता की, जनता द्वारा और जनता के भविष्य के लिए नीति

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और शासन की कमी देश के शैक्षिक अतीत की परिभाषित विशेषताएं थीं और एनईपी 2020 इस अपमानजनक अतीत से एक निर्णायक विराम का प्रतिनिधित्व करती है।

द हिंदू अखबार में छपे लेख में, जिसे धर्मेंद्र प्रधान ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया, उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 केवल एक शिक्षा सुधार नहीं है, बल्कि यह बौद्धिक उपनिवेशवाद से मुक्ति है जिसका भारत लंबे समय से इंतजार कर रहा था और यह लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के भविष्य के लिए नीति है।

सोनिया गांधी ने हाल ही में केंद्र की मोदी सरकार पर एक ऐसे एजेंडे पर चलने का आरोप लगाया, जो शिक्षा के क्षेत्र में नुकसानदेह नतीजों की ओर ले जा रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि आज भारतीय शिक्षा को तीन सी का सामना करना पड़ रहा है ङ्क केंद्रीकरण, व्यावसायीकरण और सांप्रदायिकरण।इसी समाचार पत्र में

सोनिया गांधी के लेख का खंडन करते हुए मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि वह भारत के शैक्षिक परिवर्तन की सच्ची तस्वीर दिखाने के लिए लिखते हैं।उन्होंने कहा कि यह तर्क दिया गया है कि मोदी सरकार के पिछले 11 वर्षों में भारत में शिक्षा प्रणाली अपने रास्ते से भटक गई है। वास्तव में, सच्चाई इससे कहीं ज्यादा दूर हो सकती है। जिस देश ने पिछली सरकारों द्वारा शिक्षा प्रणाली की घोर उपेक्षा देखी है, वह इस अप्रिय सच्चाई से गहराई से वाकिफ है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जब दुनिया ने तेजी से विकसित हो रही दुनिया के लिए शिक्षा की फिर से कल्पना की, तो भारत का शैक्षिक ढांचा समय के साथ-साथ अटका रहा, जिसमें 1986 में आखिरी प्रमुख नीतिगत अपडेट था, जिसे 1992 में मामूली रूप से संशोधित किया गया था।उन्होंने कहा कि यह औपनिवेशिक मानसिकता को जानबूझकर कायम रखने की कोशिश है, साथ ही देश को विश्व में हो रहे तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों से बचाने की कोशिश भी है।प्रधान ने पिछली नीति के बारे में बताते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और शासन की कमी देश के शैक्षिक अतीत की परिभाषित विशेषताएं हैं।उन्होंने कहा, सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को व्यवस्थित रूप से धन की कमी थी। अनियमित निजी संस्थान डिग्री मिलों में बदल गए। जो लोग चयनात्मक भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं, उन्हें 2009 के कुख्यात डीम्ड विश्वविद्यालय घोटाले की याद दिलानी चाहिए। बिना उचित मूल्यांकन के 44 निजी संस्थानों को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया था, जिनमें से कई वित्तीय अनियमितताओं के दोषी पाए गए थे। शिक्षा में राजनीतिक हस्तक्षेप व्याप्त था।

दर्दनाक हादसा : दो बसों और बोलेरो जीप के बीच हुई भीषण टक्कर, 5 की मौत; 24 से ज्यादा घायल

बुलढाणा (आरएनएस)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यह दुर्घटना शेगांव-खामगांव राजमार्ग पर सुबह करीब 5 बजे हुई, जिसमें दो यात्री बसों और एक बोलेरो जीप की आपसी टक्कर में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि 24 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने पहले एक यात्री बस को टक्कर मारी। इसके तुरंत बाद पीछे से आ रही एक निजी यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से टकरा गई, जिससे हादसा और भयावह हो गया। घटना के बाद राजमार्ग पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाएं तुरंत मौके पर पहुंचीं। घायलों को एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत की निगरानी की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किए और दुर्घटना स्थल को साफ कराकर यातायात बहाल करने की कोशिश की। पुलिस तेज

रफ्तार और लापरवाही को हादसे का कारण मान रही है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने सबको स्तब्ध कर दिया। जीरो प्वाइंट के पास एक बेकाबू ट्रक ने कार को टक्कर मार दी और उसे करीब 50 मीटर तक घसीटते हुए ले गया।

सान्या मल्होत्रा की बोल्डनेस ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, एक्ट्रेस का स्टनिंग अंदाज देखकर दीवान हुए फैंस

दंगल गर्ल सान्या मल्होत्रा बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी ने फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है किल लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को दीवाना बनाए हुए रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ही ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

उनका हर एक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने व्हाइट कलर का गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग पोज दे रही हैं।बालों को हाई बन लुक में बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।सान्या मल्होत्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

स्टार किड्स से तुलना पर बोलीं श्रेया चौधरी- आपको कोई कमजोर नहीं कर सकता

हाल ही में आईफा 2025 में 'बंदिश बैंडिट सीजन 2' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी ने न्यूज एजेंसी से खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने मनोरंजन इंडस्ट्री में स्टार किड्स से तुलना किए जाने की चुनौतियों के साथ ही अन्य मुद्दों पर भी अपनी राय रखी।इंडस्ट्री में स्टार किड्स से तुलना किए जाने की चुनौतियों के साथ ही श्रेया ने सोशल मीडिया स्टार्स और स्टार किड्स के बढ़ते प्रभाव पर राय रखी। उन्होंने स्टार किड्स के बढ़ते प्रभाव वाले माहौल में पहचान बनाने के प्रेशर के बारे में पूछे जाने पर अपनी मां का एक मंत्र भी शेयर किया।

श्रेया ने बताया, मेरा मानना है कि जब आपकी किसी से तुलना की जाती है तो इसका कोई मतलब नहीं है और ये आपके लिए कहीं से भी मददगार नहीं होता है। मेरी मां ने एक बार मुझसे कहा था कि जिंदगी का सफर सबके लिए अलग-अलग होता है तो इसे एक ही तरह से नहीं देखना चाहिए। कोई पहचान बना चुका है तो वो मेरी पहचान को खत्म नहीं कर सकता। किसी की चमक मेरी चमक को कम नहीं कर सकती। मैं इसी लाइन को फॉलो करती

हूं। मैं अपना बेस्ट देने के लिए कड़ी मेहनत करती हूं और इसके लिए ईमानदारी से काम कर रही हूं। मैं खुश हूं।

आईफा में वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट सीजन 2' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब जीतने पर उन्होंने कहा, यह एक सपना सच होने जैसा है। मैं आईफा टीम, जूरी, मेरे लिए वोट करने वाले सभी लोगों और दर्शकों की बहुत आभारी हूं। यह मेरा एक सपना था। जब मैंने अपना सफर शुरू किया तो मैं सोचती थी कि एक दिन मुझे भी कोई पुरस्कार मिलेगा और जब मेरा यह सपना सच हो गया तो मेरी हालत सामान्य नहीं थी। मैं इतनी घबराई और नर्वस थी कि मुश्किल से खुद को भाषण देने के लिए तैयार कर पाई। हालांकि, मैं अंदर ही अंदर इतनी खुश और उत्साहित थी कि बस जोर-जोर से चिल्लाना और नाचना चाहती थी।

इसके अलावा, श्रेया चौधरी ने 'बंदिश बैंडिट्स' के दूसरे सीजन में काम करने के चुनौतियों पर अपने विचार रखे। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव था, तो उन्होंने कहा, मुझे कोई तनाव नहीं था। मैं बस खूबसूरत कहानी के साथ न्याय करना चाहती थी और उत्साहित थी। मैं आभारी हूं कि मुझे वह काम करने को मिला जो मुझे पसंद है और मैं दर्शकों के लिए विशेष रूप से आभारी हूं।

आनंद तिवारी के निर्देशन में बनी 'बंदिश बैंडिट सीजन 2' में श्रेया चौधरी के साथ ऋत्विक भौमिक, नसीरुद्दीन शाह, दिव्या दत्ता, शीबा चड्ढा, अतुल कुलकर्णी, राजेश तैलंग और कुणाल रॉय कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

'बंदिश बैंडिट्स' का पहला सीजन अगस्त 2020 में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था। वहीं, दूसरा सीजन दिसंबर 2024 में आया था।

फिल्म टेस्ट का ट्रेलर जारी; आर माधवन, सिद्धार्थ और नयनतारा की तिकड़ी ने किया कमाल

अभिनेता आर माधवन काफी समय से अपनी आगामी फिल्म टेस्ट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान एस. शशिकांत ने संभाली है।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसमें माधवन के साथ सिद्धार्थ और नयनतारा भी मुख्य भूमिका में होंगे। तीनों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं।आखिरकार अब निर्माताओं ने टेस्ट का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। माधवन की अदाकारी की काफी तारीफ हो रही है। यह फिल्म 4 अप्रैल, 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। खास बात यह है कि फिल्म को आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में देख पाएंगे।निर्माताओं ने लिखा, टेस्ट का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अपने सपनों के लिए वे कितनी दूर तक जाएंगे? यह तो टेस्ट ही बताएगा।

फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल का टीजर जारी, रिलीज डेट भी आउट

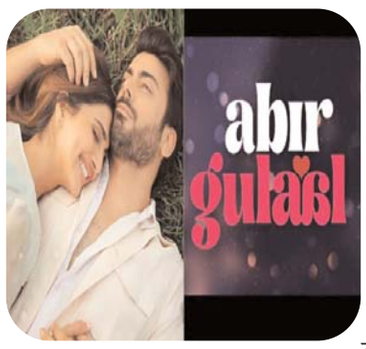

फैंस का इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि फवाद खान करीब 8 साल बाद बॉलीवुड में वापसी करने जा रहे हैं. उन्हें अबीर गुलाल में वाणी कपूर के साथ इश्क फरमाते हुए देखा जाएगा. फिल्म का ऑफिशियल टीजर सामने आ गया है जिसमें पाकिस्तानी एक्टर अपनी जादुई आवाज और आंखों में चमक लिए वाणी के साथ फ्लर्ट कर रहे हैं. टीजर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है. टीजर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है. फवाद और वाणी की अबीर गुलाल सिनेमाघरों में 9 मई 2025 को दस्तक देगी. वाणी कपूर ने टीजर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया और कैप्शन लिखा, इंतजार खत्म हुआ! अबीर गुलाल और फवाद खान के साथ बड़े पर्दे पर प्यार फिर से लेकर आ रहे हैं. एक रिचर लेंस फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में मिलते हैं.अबीर गुलाल का टीजर काफी रोमांटिक और प्यार भरा है. फवाद अपने चार्म के लिए जाने जाते हैं और इसमें कोई शक नहीं कि वे बड़े पर्दे पर फिर से प्यार लाने वाले हैं. टीजर की शुरुआत उनके गाने से होती है जिसके लिरिक्स हैं- कुछ ना कहो...कुछ भी ना कहो...बैकग्राउंड म्यूजिक बंद हो जाता है और फिर फवाद वाणी के लिए वो गाना गाते हैं. फवाद की सुरीली आवाज और आंखों के चार्म में वाणी को डूबते हुए देखा गया. दोनों कार के अंदर बैठे हुए हैं और बाहर बारिश हो रही है.

बॉक्स ऑफिस पर एल2: एम्पुरान की कमाई की रफ्तार धीमी, पांचवें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म एल2: एम्पुरान को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है और दर्शकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है। यह फिल्म 27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, सिकंदर के सिनेमाघरों में दस्तक देते ही एल2: एम्पुरान की कमाई की रफ्तार धीमी हो गई है।आइए जानें फिल्म ने पांचवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, एल2: एम्पुरान ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी सोमवार को 11 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 70 करोड़ रुपये हो गया है।इस फिल्म ने 21 करोड़ रुपये का साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 11.1 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।तीसरे दिन इस फिल्म ने 13.25 करोड़ रुपये और चौथे दिन 13.65 करोड़ रुपये कमाए थे।मोहनलाल के साथ इस फिल्म पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। हमेशा की तरह दोनों कलाकारों के काम को काफी सराहा जा रहा है।खास बात यह है कि एल2: एम्पुरान का निर्देशन खुद पृथ्वीराज ने किया है। यह साल 2019 में आई फिल्म लूसिफर का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।

अल्लू अर्जुन की आर्या 2 थिएटर में होगी 5 अप्रैल को री-रिलीज, ओटीटी पर भी मौजूद है फिल्म

अल्लू अर्जुन ने फिल्म 'पुष्पा' और 'पुष्पा 2' में एक्शन, दमदार डायलॉग से दर्शकों को अपने अभिनय का कायल बना दिया। लेकिन इस एक्शन फिल्म से पहले वह कई रोमांटिक फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं, जिन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों ने खूब सराहा है। जल्द ही अल्लू अर्जुन की रोमांटिक फिल्म 'आर्या 2' थिएटर में वापसी कर रही है यानी री-रिलीज हो रही है। इस फिल्म को क्यों दोबारा रिलीज किया जा रहा है?

साल 2009 में अल्लू अर्जुन की फिल्म 'आर्या 2' रिलीज हुई थी। इस फिल्म को निर्देशक सुकुमार ने निर्देशित किया था। फिल्म में अल्लू अर्जुन काजल अग्रवाल के साथ रोमांस करते दिखे थे। अब यही फिल्म 5 अप्रैल को थिएटर में फिर से दिखाई जाएगी।

घर पर सेब को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

सेब एक ऐसा फल है, जो न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। इसका कारण है कि इसमें विटामिन-सी, फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट्स जैसे कई जरूरी तत्व होते हैं। हालांकि, सेब जल्दी खराब हो सकते हैं इसलिए इसे सही तरीके से रखना जरूरी है।

आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप सेब को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं।

पानी में भिगोकर रखें

सेब को लंबे समय तक ताजा रखने का एक आसान तरीका है कि इसे पानी में भिगोकर रखा जाए।इसके लिए एक बड़े बर्तन में ठंडा पानी भरें और उसमें सारे सेब डाल दें।इस पानी को रोजाना बदलते रहें और ध्यान रखें कि सेब पूरी तरह से पानी में डूबे रहें। इससे सेब की ताजगी बनी रहेगी और वे जल्दी खराब नहीं होंगे।यह तरीका खासकर गर्मियों में बहुत फायदेमंद होता है।

ठंडे स्थान पर रखें

ठंडे स्थान पर सेब को रखने से उनकी ताजगी बनी रहती है और वे लंबे समय तक अच्छे रहते हैं।सेब को सबसे पहले धोकर सुखा लें, फिर एक प्लास्टिक थैली या डिब्बे में डालकर ठंडे स्थान पर रखें। ध्यान रखें कि सेब एक-दूसरे से थोड़ी दूरी पर हों ताकि हवा चलती रहे और वे जल्दी खराब न हों।इस तरीके से सेब 2-3 हफ्ते तक ताजे बने रहते हैं।

आलू का उपयोग करें

आलू का उपयोग करके भी आप सेब को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं।

इसके लिए एक बड़े बर्तन में आलू के टुकड़े काटकर रखें और ऊपर से सारे सेब रख दें।

आलू से निकलने वाली नमी से सेब जल्दी खराब नहीं होते और उनकी ताजगी बनी रहती है। ध्यान रखें कि आलू के टुकड़े मोटे न हों, पतले काटें ताकि हवा चलती रहे और सेब अच्छे से रखे जा सकें।

अखबार लपेटें

सेब को अखबार में लपेटकर रखने से भी उनकी ताजगी बनी रहती है और वे जल्दी खराब नहीं होते।इसके लिए सबसे पहले सारे सेब को धोकर सुखा लें, फिर हर सेब को एक-एक करके अखबार में लपेट दें और एक डिब्बे में रख दें। ध्यान रखें कि अखबार ज्यादा गीला न हो, सूखा हो ताकि हवा चलती रहे और सेब अच्छे से रखे जा सकें।

छिलका न उतारें

सेब का छिलका उनके लिए प्राकृतिक सुरक्षा की तरह काम करता है इसलिए इसे न उतारें।

जब भी सेब का उपयोग करना हो तभी इसे धोकर उपयोग करें ताकि उसकी ताजगी बनी रहे और जरूरी तत्व बरकरार रहें।इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपने घर पर ही आसानी से सेब को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं और उसके सभी फायदों का आनंद ले सकते हैं।

रस्सी कूदने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, अच्छे से होगी कार्डियो एक्सरसाइज

रस्सी कूदना एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो न केवल शरीर को फिट रखता है, बल्कि मन को भी शांत करता है।यह एक सरल और प्रभावी तरीका हो सकता है, जिससे आप अपने शरीर को सक्रिय रख सकते हैं।इस लेख में हम आपको रस्सी कूदने के लिए कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताएंगे, जो आपको न केवल फिट रखेंगे बल्कि आपके मन को भी सुकून देंगे।

साधारण कूदना सीखे

रस्सी कूदना सीखने का पहला कदम साधारण कूदना है।इसके लिए आपको सबसे पहले सही तरीके से रस्सी पकड़नी होगी और उसे अपने सिर से ऊपर ले जाकर कूदना होगा। ध्यान रखें कि आपकी कूद ऊंची न हो, बस इतनी हो कि रस्सी आपके पैरों के ऊपर से गुजर जाए।इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं ताकि आपके हाथ और पैरों का तालमेल बढ़ सके और आप आसानी से रस्सी कूद सकें।

दोहरी कूद आजमाएं

दोहरी कूद एक खास तरीका है, जिसमें रस्सी को दो बार आपके पैरों के नीचे से गुजरना होता है।इसे करने के लिए आपको पहले साधारण कूदना अच्छे से आना चाहिए। इसके बाद धीरे-धीरे अपनी कूद की ऊंचाई बढ़ाएं और हाथों की गति को तेज करें ताकि रस्सी दो बार नीचे से गुजर सके।शुरुआत में यह मुश्किल लग सकता है, लेकिन अभ्यास से आप इसे आसानी से सीख सकते हैं।

क्रॉसओवर कूदें

क्रॉसओवर कूदना एक ऐसा तरीका है, जिसमें कूदते समय रस्से को क्रॉस करके आगे पीछे करना होता है।इसके लिए सबसे पहले साधारण कूदना अच्छे से आना चाहिए। अब जब आप हवा में हों तो अपने हाथों को क्रॉस करें और जब आप नीचे हों तो उन्हें खोल लें।इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं ताकि आपके हाथों और पैरों का तालमेल बढ़ सके और आप आसानी से इस तकनीक को सीख सकें।

साइड स्विच करें

साइड स्विच करने का मतलब है कि आप अपनी स्थिति बदलते हुए रस्सी को एक तरफ से दूसरी तरफ ले जाएं। इसके लिए सबसे पहले साधारण कूदना अच्छे से आना चाहिए। अब जब आप हवा में हों तो अपने हाथों को खोलकर रस्से को एक तरफ से दूसरी तरफ ले जाएं।इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं ताकि आपका संतुलन बना रहे और आप आसानी से इस तकनीक को सीख सकें।

पीछे की ओर कूदें

पीछे की ओर कूदने का मतलब है कि आप पीछे की तरफ से रस्सी को कूदें।इसके लिए सबसे पहले साधारण कूदना अच्छे से आना चाहिए। अब जब आप हवा में हों तो अपनी पीठ की तरफ रस्सी को लाएं, फिर नीचे आते समय इसे अपने पैरों के नीचे से निकालें। इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं ताकि आपका संतुलन बना रहे और आप आसानी से इस तकनीक को सीख सकें।

म्यांमार भूकंप : मृतकों की संख्या 2,700 के पार; सैन्य शासन ने युद्ध विराम प्रस्ताव को किया खारिज

नेपीडॉ (आरएनएस)। म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में मृतकों की संख्या बढ़कर 2,719 हो गई, लगभग 4,521 लोग घायल हुए और 441 अभी भी लापता हैं। प्रधानमंत्री मिन आंग ह्लाइंग ने यह जानकारी दी।

इस बीच, म्यांमार के जुंटा के प्रमुख आंग ह्लाइंग ने जातीय सशस्त्र संगठनों (ईएओ) के युद्ध विराम प्रस्तावों को खारिज कर दिया और सैन्य अभियान जारी रखने की घोषणा की।

ह्लाइंग ने मंगलवार को कहा, कुछ जातीय सशस्त्र समूह अभी सक्रिय रूप से लड़ाई में शामिल नहीं हो रहे, लेकिन वे हमलों की तैयारी के लिए इकट्ठा हो रहे हैं और प्रशिक्षण ले रहे हैं। चूंकि यह आक्रामकता का एक रूप है, इसलिए सेना जरूरी रक्षा अभियान जारी रखेगी।

म्यांमार नाउ की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे वक्त में जब वैश्विक ध्यान भूकंप के विनाश और मानवीय सहायता भेजने पर केंद्रित है, म्यांमार की सेना ने देश भर में प्रतिरोधी समूहों के

खिलाफ अपने हमले जारी रखे हैं।

हमलों पर चिंता जताते हुए, अमेरिका स्थित एडवोकेसी ग्रुप ह्यूमन राइट्स वॉच ने मंगलवार को कहा कि म्यांमार की सैन्य सरकार को भूकंप पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता तक तत्काल, निर्बाध पहुंच की अनुमति देनी चाहिए, आपातकालीन प्रतिक्रिया में बाधा डालने वाले प्रतिबंधों को हटाना चाहिए।

वकालत समूह के अनुसार, 28 मार्च को क्षेत्र में आए भूकंप के बाद से, सेना ने हवाई हमले किए और गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुंच सीमित कर दी, जिससे मानवीय प्रतिक्रिया और अधिक जटिल हो गई।

ह्यूमन राइट्स वॉच की एशिया उप निदेशक ब्रायोनी लाउ ने कहा, म्यांमार की सैन्य सरकार अभी भी भय पैदा करती है, यहां तक कि एक भीषण प्राकृतिक आपदा के बाद भी जिसमें हजारों लोग मारे गए और घायल हुए। सरकार को अपने पिछले भयावह व्यवहार से बाहर आना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में जिन लोगों की जान जोखिम में है, उन तक मानवीय सहायता शीघ्र पहुंचे। लाऊ ने कहा, म्यांमार की सेना पर इस पैमाने की आपदा से निपटने के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता। संबंधित सरकारों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को सेना पर दबाव डालना चाहिए कि वह जीवित बचे लोगों तक पूरी और तत्काल पहुंच की अनुमति दे, चाहे वे कहीं भी हों।

बाबा वेंगा की भूकंप से जुड़ी भविष्यावाणियां हुईं सच, आगे की भविष्यावाणियों को लेकर चर्चा शुरु

लंदन (ए)। आपने बाबा वेंगा के बारे में सुना ही होगा। वहां महिला जिसने सालों पहले कई ऐसी भविष्यवाणियां की जो आज सच साबित हो रही है। इसकारण लोग उन्हें बहुत बड़ा भविष्यवक्ता कहते हैं। 2025 के लिए भी उन्होंने कुछ भविष्यावाणियां की थीं, जिसमें से

एक पिछले हफ्ते सच हो गई। ये भविष्यवाणी भूकंप से जुड़ी, जिसने हजारों लोगों की जान म्यांमार और थाइलैंड में ले ली। आखिर 2025 के लिए की गई वे कौन सी दूसरी भविष्यवाणियां हैं? चलिए आपको बताते हैं।बाबा वेंगा कि 2025 के लिए उन्होंने भूकंप की भविष्यवाणी की थी जो सच हो गई। उन्होंने इस साल के लिए कुछ ऐसी भी भविष्यवाणियां की थीं, जो हैरान करने वाली हैं। जैसे यूरोप में बहुत बड़े युद्ध की संभावना है जो परमाणु युद्ध या विश्व युद्ध जैसा हो सकता है। इस युद्ध की वजह से बहुत से इलाके निर्जन हो सकते हैं।एक और चौंकाने वाली भविष्यवाणी है महामारी से जुड़ी। उनका अंदाजा था कि इस साल कोई महामारी आ सकती है, जिसे आज के लोग कोरोना जैसी महामारी से जोड़कर देख रहे है। इससे लाखों लोगों की जान जा सकती है। बहुत से लोग बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों पर संदेह भी करते हैं। इन भविष्यवाणियों को अलग-अलग पहलुओं में समझा जा सकता है।

आईसीसी का वारंट जारी, फिर भी हंगरी की यात्रा पर जा रहे इजरायली पीएम, नेतन्याहू को क्यों नहीं गिरफ्तारी का डर?

यरूशलम (आरएनएस)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गुरुवार को हंगरी की चार दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं। उनके खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध के आरोपों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) का गिरफ्तारी वारंट जारी है। आईसीसी के संस्थापक सदस्य के रूप में, हंगरी सैद्धांतिक रूप से न्यायालय के वारंट के अधीन किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने और सौंपने के लिए बाध्य है।

हालांकि हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने नेतन्याहू को यात्रा का निमंत्रण देते समय स्पष्ट कर दिया था कि हंगरी इस फैसले का सम्मान नहीं करेगा।

नवंबर 2024 में जब नेतन्याहू और इजरायल के पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए, तो ओर्बन ने आईसीसी को निर्लज्ज, निंदक और पूरी तरह से अस्वीकार्य कहा। उन्होंने वादा किया कि नेतन्याहू की हंगरी की किसी भी यात्रा के दौरान, वह उनकी स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी देंगे।

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की ओर से उन्हें और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट को गिरफ्तार करने के लिए वारंट जारी किए जाने के बाद से यह उनकी दूसरी विदेश यात्रा होगी। हालांकि होलोकॉस्ट स्मारक की योजनाबद्ध यात्रा के अलावा उनके कार्यक्रम का विवरण सीमित है।

नेतन्याहू ने फरवरी में अपने करीबी सहयोगी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए वाशिंगटन का दौरा किया था। न तो इजरायल और न ही संयुक्त राज्य अमेरिका आईसीसी के सदस्य हैं। वाशिंगटन का तर्क है कि आईसीसी का इस्तेमाल राजनीतिक रूप से प्रेरित अभियोगों के लिए किया जा सकता है। 7 अक्टूबर 2023 इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था।इजरायली सैन्य अभियान की वजह से 50,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और गाजा पट्टी तबाह हो गई। विश्व भर में इजरायली मिलिट्री एक्शन की निंदा हुई है और उस नरसंहार के भी आरोप लगे।इजरायल ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया।

यमन के होदेइदाह शहर पर हुए अमेरिकी हवाई हमलों में तीन की मौत

सना (आरएनएस)। हूती मीडिया और निवासियों ने बताया कि यमन के पश्चिमी प्रांत होदेइदाह शहर पर अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार रात को हुए हमलों में मध्य होदेइदाह के मंसूरिया जिले में एक जल परियोजना और उसकी इमारत को निशाना बनाया गया।

जिले के निवासियों ने सिन्हुआ को बताया कि मलबे में दबे जीवित लोगों की तलाश जारी है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने हूती मीडिया के हवाले से बताया कि अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिमी प्रांतों हज्जाह और सादा में कई स्थानों पर हवाई हमले किए।

इससे पहले दिन में, हूती मीडिया ने उत्तरी यमन में कई स्थानों पर अमेरिकी हवाई हमलों की सूचना दी, जिसमें राजधानी सना के पश्चिम में बानी मातर जिले में माउंट नबी शुअयब और सादा शामिल हैं। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।ईरान समर्थित हूती, जो उत्तरी यमन के अधिकांश भाग पर नियंत्रण रखते हैं, 2014 से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार से लड़ रहे हैं। अमेरिकी सेना ने 15 मार्च से उत्तरी यमन में हूती के कब्जे वाले क्षेत्रों पर हवाई हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, ताकि इस समूह को अमेरिकी नौसेना और क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग मार्गों पर हमला करने से रोका जा सके। पिछले सप्ताह, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी हवाई हमले लंबे समय तक जारी रहेंगे।

इमरान के पुनः नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट होने पर घिरेगी सरकार?

इस्लामाबाद,(ए)। दुनियां में शानदार क्रिकेटर के तौर पर मशहूर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। उन्हें पाकिस्तान में मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए नामांकित किया गया है। नॉर्वे की राजनीतिक पार्टी 'पार्टियेट सेंट्रम' से जुड़े पाकिस्तान वर्ल्ड अलायंस (पीडब्ल्यूए) ने यह घोषणा की है। इससे पर राजनीतिक तौर पर पाकिस्तान की शाहबाज सरकार घिर सकती है, क्योंकि उस पर जबरन इमरान को जेल में बंद रखने के आरोप भी समय-समय पर लगते रहे हैं।

यहां बताते चलें कि इससे पहले, 2019 में भी पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का नाम नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया गया था। उस वक्त उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के प्रयासों के लिए यह नामांकन मिला था। दरअसल बालाकोट हवाई हमले के बाद इमरान खान ने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने की पहल की थी, जिसके समर्थन में पाकिस्तान की संसद में एक प्रस्ताव भी पेश किया गया था।

पीडब्ल्यूए ने सोशल मीडिया पर की घोषणा

पार्टियेट सेंट्रम ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने नामांकन का अधिकार रखने वाले किसी व्यक्ति के साथ मिलकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। इमरान खान को बार-बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए यूं नामित किए जाने से पाकिस्तान की मौजूदा सरकार की खासी किरकिरी होना लाजमी है। इमरान समर्थक इसे ढाल बनाकर शाहबाज सरकार पर निशाना साध सकते हैं। जानकारों की मानें तो इस समय पाकिस्तान की मौजूदा सरकार विश्व में हुए बदलाव से खासे दबाव में है।

रावलपिंडी की जेल में बंद हैं इमरान

इमरान खान 2023 से पाकिस्तान की रावलपिंडी स्थित अडियाला जेल में बंद हैं। जनवरी 2025 में पाकिस्तान की एक कोर्ट ने उन्हें 14 साल की सजा सुनाई। उन पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब पाकिस्तानी रुपए का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। यहां बताते चलें कि 9 मई 2023 को इमरान की गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में सेना के अहम ठिकानों पर हमले हुए थे।

क्या इमरान को मिल सकता है नोबेल?

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कई चरणों में प्रक्रिया संपन्न होती है। यह तय करना नोबेल समिति के हाथ में होता है कि किसे अंतिम सूची में रखा जाएगा। इमरान खान का नामांकन एक बड़ा मुद्दा बन सकता है, क्योंकि वे इस समय जेल में बंद हैं और पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल जारी है। इसलिए भी यह सवाल अहम हो गया है कि क्या इमरान खान को बाकई नोबेल शांति पुरस्कार मिल सकता है या नहीं?

भारत को झटका देने की तैयारी, ट्रंप ने दी कृषि उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैक्स लगाने की धमकी

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभालते ही दुनिया भर में टैरिफ वार छेड़ दिया है। ट्रंप ने चीन, कनाडा और भारत से लेकर कई देशों पर 100 फीसद टैरिफ लगाया है। अब ट्रंप ने एक और नए टैरिफ की धमकी दी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी कृषि उत्पादों पर भारत 100 प्रतिशत टैरिफ लगाता है और अन्य देशों द्वारा लगाए जाने वाले उच्च शुल्कों के कारण अमेरिकी उत्पादों का उन देशों को निर्यात करना लगभग असंभव हो जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत और अन्य देशों द्वारा अमेरिकी वस्तुओं पर लगाए जाने वाले उच्च टैरिफ की बार-बार आलोचना की है। ट्रंप 2 अप्रैल को जैसे को तैसा टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाना शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह अमेरिका के लिए मुक्ति दिवस होगा।

खेल समाचार

पंजाब ने लखनऊ को 8 विकेट से रौंदा, प्रभसिमरन रहे मैच के हीरो

-अय्यर और अर्शदीप ने भी बिखेरा जादू

लखनऊ, (आरएनएस)। आईपीएल 2025 के 13वें मैच में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को उनके ही घर में 22 गेंद बाकी रहते हुए 8 विकेट से हरा दिया है. इसके साथ ही पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में अपने दूसरे मैच में दूसरी जीत हासिल कर ली है. इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए प्रभसिमरन सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

इस में श्रेयस अय्यर टॉस जीत और ऋषभ पंत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया. लखनऊ की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 171 रन बनाए. पंजाब ने 16.2 ओवर में 2 विकेट गंवाकर 177 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दर्ज कर ली. पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट अपने नाम किए।

लखनऊ से जीत के लिए मिले 172 रनों के टारगेट का पीछा करने के लिए पंजाब की ओर से प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य ने पारी की शुरुआत की. आर्य 8 रन बनाकर चलते बने लेकिन सिंह ने धमाकेदार पारी खेलते हुए अर्धशतक लगाया. उन्होंने 23 बॉल में 6 चौके और 3 छक्कों के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया. प्रभसिमरन ने 34 बॉल में 9 चौके और 3 छक्कों के साथ 69 रनों की पारी खेली।

प्रभसिमरन सिंह के अलावा श्रेयस अय्यर ने भी अर्धशतक लगाया. उन्होंने 30 बॉल में 3 चौके और 4 छक्कों के साथ नाबाद 52 रनों की पारी खेली. टीम के लिए नेहाल वढेरा ने 25 बॉल में 43 रनों का योगदान दिया, जिसमें 3 चौके और 4 छक्के शामिल थे. लखनऊ के लिए दोनों विकेट दिग्वेश राठी ने हासिल किया।

इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज 171 रन ही बना पाए. टीम के लिए कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं लगा पाया. लखनऊ की ओर से सबसे ज्यादा रन निकोलस पूरन ने बाए. उन्होंने 30 बॉल में 5 चौके और 2 छक्कों के साथ 44 रनों की पारी खेली. उनके अलावा आयुष बडोनी 33 बॉल में 1 चौके और 3 छक्कों के साथ 41 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौट. पंजाब की ओर से सबसे ज्यादा विकेट अर्शदीप सिंह ने चटकाए. उन्होंने 4 ओवर में 43 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

श्रेयस अय्यर का कमालः आईपीएल में दर्ज किया बड़ा रिकॉर्ड

-धोनी और रोहित के क्लब में मारी एंट्री

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने लखनऊ सुपर जायंट्स को बीते मंगलवार को 8 विकेट से धूल चटा दी. इस जीत के साथ ही श्रेयस ने एक खास मुकाम हासिल कर लिया है. वह आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले पांचवें कप्तान बन गए हैं. उन्होंने डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया और एमएस धोनी, रोहित शर्मा, गौतम गंभीर और विराट कोहली के क्लब में एंट्री मारी ली है।

श्रेयस अय्यर ने 72 मैचों में कप्तानी करते हुए 42 मैच में जीत हासिल की है. इसके साथ ही उन्होंने 83 मैचों में 40 जीत बतौर कप्तान हासिल करने वाले डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया है. एमएस धोनी ने 226 मैचों में कप्तानी की और 133 जीत दर्ज की है. रोहित शर्मा ने 158 मैचों में से 89 मैच बतौर कप्तानी जीते हैं. गौतम गंभीर 129 मैचों में कप्तान के तौर पर 71 जीत अपने नाम दर्ज कर चुके हैं. विराट कोहली 143 मैचों में 68 जीत हासिल कर चुके हैं. लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2025 के 13वें मैच में पहले खेलते हुए 7 विकेट पर 171 रन बनाए. पंजाब किंग्स ने 172 रनों के लक्ष्य का बेहद आसानी से हासिल कर लिया. इस मैच में प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंदों पर 3 चौकों और इतने ही चौकों की मदद से 69 रनों की धमाकेदार पारी खेली और श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 30 गेंदों पर नाबाद 52 रन बनाए।

अब चेन्नई में होने वाले छह मैचों में ही नजर आयेंगे धोनी : फ्लेमिंग

नई दिल्ली (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे एक ही मैच में जीत मिली है। टीम के मुख्य बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी भी लय में नहीं दिखते और निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। इसी को लेकर अब टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अहम खुलासा किया है। फ्लेमिंग ने कहा है कि फ्लेमिंग की फिटनेस अब पहले की तरह नहीं है और उनपर अधिक बोझ नहीं डाला जा सकता। इसलिए वह सत्र में केवल 6 मैच ही खेल सकेंगे। ये मैच चेन्नई में ही खेले जाएंगे। वहीं अन्य स्थानों पर होने वाले मैचों के लिए उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा। फ्लेमिंग ने यह भी कहा कि धोनी के घुटने में समस्या है, जिससे वह पूरे 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसलिए उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का सहयोग करने के लिए भेजा जाएगा। ऐसे में उन्हें 9वें या 10वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा जा सकता। फ्लेमिंग ने हालांकि धोनी की नेतृत्व क्षमता और विकेटकीपिंग की जमकर प्रशंसा की है। कोच के इस बयान से साफ है कि धोनी की भूमिका अब सीमिल हो गयी है। धोनी इस सत्र में चेन्नई में होने वाले 6 मैचों में ही खेल पाएंगे, क्योंकि बचे हुए मैच दूसरी जगहों पर खेले जाएंगे।

बीसीसीआई ने सुपर जायंट्स के गेंदबाज राठी पर लगाया जर्माना

मुम्बई (ए)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र में आक्रामक अंदाज दिखाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह राठी पर भारी जुर्माना लगाया है। राठी ने लखनऊ के एकाना स्टेडियम में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को आउट करने के बाद एनिमेटेड नोटबुक अंदाज में जश्न मनाया था। इसके लिए राठी पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही एक नकारात्क अंक भी जोड़ा है।

ये पूरा मामला पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी के दौरान तीसरे ओवर का है। तब अंतिम गेंद पर राठी ने प्रियांश को गेंदबाजी की थी। जिसपर इस बल्लेबाज ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर गेंद हवा में उछल गयी और वह शार्दुल के हाथों कैच हो गये। प्रियांश जब पवेलियन लौट रहे थे तो राठी उनके पासा आये और कंधा टकराते हुए हवा में ऐसे हाथ हिलाने लगे जैसे किसी काल्पनिक नोटबुक में कुछ लिख रहे हों। अंपायरों ने इसको लेकर राठी से नाराजगी जतायी।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को दूसरे मैच में हराकर जीती वनडे सीरीज

-मिशेल है बने प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली,(आरएनएस)। न्यूजीलैंड ने तीन वनडे मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में पाकिस्तान को हरा दिया है. इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने सीरीज जीत ली है. अब तीसरे मैच में उसके पास पाकिस्तान पर क्लीन स्वीप करने का मौका होगा. इस हार के साथ ही पाकिस्तान लगातार न्यूजीलैंड में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के साथ 12वां वनडे मैच हरा है. उन्होंने फरवरी 2011 में अंतिम मैच जीता है।

हैमिल्टन खेले गए इस दूसरे मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 292 रन बनाए. पाकिस्तान की टीम 41.2 ओवर में 208 रनों पर आउट हो गई और 84 रनों से मैच हार गई।

इस मैच में न्यूजीलैंड के लिए मिशेल हे ने 99 रनों की पारी खेली और मुहम्मद अब्बास 41 रनों का योगदान दिया. पाकिस्तान के लिए मोहम्मद वसीम और सुफियान मुकीम ने 2-2 विकेट हासिल की है. पाकिस्तान के लिए फहीम अशरफ ने 73 और नसीम शाह ने 51 रनों की पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए. न्यूजीलैंड के लिए बेन सियर्स ने 5 और जैकब डफ़ी ने 3 विकेट हासिल किए.

मिशेल हे को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला. उन्होंने कहा, %मेरे दिमाग में बिल्कुल भी (शतक) नहीं आया, मैं बस स्विंग कर रहा था. (अब्बास के साथ उनकी साझेदारी पर) हमने खेल को गहराई तक ले जाने की कोशिश करने के बारे में बहुत बात की. हमने सोचा कि अगर हम अंतिम समय में पहुंच गए तो हम थोड़ा नुकसान कर सकते हैं. मोहम्मद ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की. उनके साथ साझेदारी बनाना और इसे गहराई तक ले जाना अच्छा था. ये तीन गेम खेलना शानदार रहा, निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास देता है. कीपिंग से काफी खुश हूं।

लखनऊ सुपरजायंट्स के आक्रामक रुख को लेकर गावस्कर ने कही ये बात

लखनऊ (ए)। लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम का आईपीएल के 18 वें सत्र में अब तक का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में

एक बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत 2 रन बनाकर ही आउट हो गये। इस दौर जब गावस्कर से कमेंट्री के दौरान पूछा गया कि अच्छे गेंदबाज नहीं होने के कारण ही टीम इतनी तेजी से खेल रही है। तो गावस्कर ने कहा, आपने मुझसे यह सवाल कुछ समय पहले पूछा होता तो अच्छा होता मैंने ऋषभ के साथ काफी समय बिताया है और मैं निश्चित रूप से उनसे पूछता कि क्या यही कारण है कि आप लोग इस तरह से खेल रहे हैं तो शायद वह इसे बेकार सा सवाल मानते।

इस पूर्व कप्तान ने कहा, जब आप सुपरजायंट्स के निकोलस पूरन और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ियों की बात करते हैं तो वे पहले से ही आक्रामक खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वे इसी तरह से खेलते हैं और यह देखना बहुत रोमांचक है। वहीं ऋषभ निचले क्रम में आते हैं, इसलिए उनके पास अच्छी बल्लेबाजी है। साथ ही कहा कि अगर उनके पास पर्याप्त तेज गेंदबाज नहीं हैं, तो आपको तय है कि अधिक रन बनाने होंगे जिससे आपके गेंदबाजों को सहारा मिल सके। टीम के लिए अब तक यह आईपीएल अधिक अच्छा नहीं रहा है।

बाबर आजम का फ्लॉप होना जारी, पिछली 25 पारियों में नहीं लगा पाए हैं एक भी शतक

नईदिल्ली (ए.)। पाकिस्तान के सुपरस्टार खिलाड़ी बाबर आजम का इस समय खराब दौर चल रहा है. न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वह सस्ते में पवेलियन लौट गए. टीम को उनसे काफी उम्मीदें थी. हालांकि 30 वर्षीय खिलाड़ी महज एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए. बाबर अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं. पिछली 25 वनडे पारियों में उनके बल्ले से एक भी सेंचुरी नहीं आई है।

हैमिल्टन में न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान दूसरा ओडीआई खेला जा रहा है. इस मैच में बाबर आजम का बल्ला खामोश रहा. दाएं हाथ के बैटर केवल 3 गेंद खेलकर चलते बने. इस दौरान वह महज एक ही रन का योगदान दे सके. जैकब डफी ने उनका शिकार किया.कीवी पेसर की एक उछाल भरी गेंद पर बाबर ने ऑफ साइड की तरफ शॉट खेलने का प्रयास किया. गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर दूसरी स्लिप में चली गई. वहां मौजूद हेनरी निकोलस ने कोई गलती नहीं की और इस कैच को लपक लिया. बाबर आजम के हालिया आंकड़े थोड़े निराशाजनक हैं. पाक बल्लेबाज पिछली 25 पारियों में कोई सैकड़ा नहीं जड़ सके हैं. उनका सर्वोच्च स्कोर 78 है. न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान उन्होंने ये पारी खेली थी. बाबर ने इसके लिए 113 गेंदों का सामना किया. आखिरी बार उनके बल्ले से शतक 2023 एशिया कप के दौरान आया था. 30 वर्षीय धुरंधर ने नेपाल के विरुद्ध 131 गेंदों पर 151 रन बनाए थे।

पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड टॉस हारकर पहले बैटिंग करने मैदान पर उतरी. पहले खेलते हुए उन्होंने निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट खोकर 292 रनों का स्कोर खड़ा किया. निचले क्रम में मिचेल हे ने 78 बॉल पर ताबड़तोड़ 99 रन ठोके. इसके जवाब में पाकिस्तान ने समाचार लिखे जाने तक 32 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए. 11.4 ओवरों का खेल हो चुका है।

बादलों ने कम की पारे की चाल गर्मी का असर बरकरार

नर्मदापुरम (निप्र)। तेज गर्मी के असर के चलते आसमान में बादल मंडराते जा रहे हैं। इन बादलों के कारण पारे का असर कम जरूर हो गया है। लेकिन गर्मी का असर तेज ही बना हुआ है। आसमान पर बादल जरूर छाए हुए हैं फिर भी धूप का असर तेज बना हुआ है। बीते दो दिन से जो लू चल रही है। उसमें कमी नहीं आ रही है। जिससे क्षेत्र में गर्मी ने अप्रैल के दूसरे दिन से ही लोगों को गर्मी का तेज एहसास हो रहा है। तेज तपन से लोग परेशान होने लगे हैं। इसी के चलते हर घर में अचानक कूलर और एसी का उपयोग होने लगा है। मौसम विभाग के द्वारा बताया गया कि बादलों की आमद के कारण तापमान में हल्की से कमी आई है। बीते दिनों से दो डिग्री तापमान कम हुआ है लेकिन गर्मी यथावत है। इन दिनों 38 के करीब दर्ज हो रहा है। वहीं न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार अभी इसी प्रकार के मौसम बने रहने की संभावना है। बादल हटते ही लू का असर बना रहेगा। बादल छाने के साथ एक दो दिन में हल्की बूंदाबांदी की भी संभावना बनी हुई है। उन्होने बताया कि हवाओं का रूख परिवर्तित हो रहा है। कभी उत्तरी क्षेत्र से कभी पूर्वी पश्चिमी हवाएं चल रही हैं। पूर्वी हवाओं के कारण लू की संभावना बनी हुई है। गर्मी का असर तेज होने के कारण अस्पतालों में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में इजाफा होने लगा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में बीते दिनों की अपेक्षा अप्रेल के दूसरे दिन में ही काफी अंतर आ गया है। अस्तपाल में पहले दिन बीते सप्ताह के प्रथम दिन की तुलना में 170 मरीजों की अधिक संख्या दर्ज हुई है। बीते सप्ताह 660 तक संख्या पहुंची थी। जो अब 830 तक पहुंच रही है।

प्रभारी मंत्री राकेश सिंह का आज नर्मदापुरम जिले में आगमन होगा

03 अप्रैल को केसला में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह का आज 2 अप्रैल को नर्मदापुरम जिले में आगमन होगा। प्रभारी मंत्री 2 अप्रैल को शाम 5:00 बजे जबलपुर से नर्मदापुरम जिले के लिए प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि 9:00 बजे सर्किट हाउस नर्मदापुरम पहुंचकर रात्रि विश्राम करेगे।

3 अप्रैल को प्रभारी मंत्री श्री सिंह प्रात: 10:00 बजे सर्किट हाउस से केसला के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रात: 10:30 बजे केसला के एकलव्य आवासीय विद्यालय भरगदा में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से संवाद करेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिंह प्रात: 11:30 बजे केसला से नर्मदापुरम के लिए प्रस्थान करेंगे तथा प्रात: 12:00 बजे फेफर ताल में जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागिता कर दोपहर 1:00 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में जिला योजना समिति की बैठक लेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिंह दोपहर 3:00 बजे नर्मदापुरम से छिंदवाड़ा जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।

ई-ऑफिस प्रणाली से सरकारी कार्य होंगे अधिक पारदर्शी और दक्ष - कलेक्टर

कलेक्टर ने ई-ऑफिस प्रणाली के तहत अपनी ई-डेस्क पर प्राप्त फाइलों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उन्हें आगामी स्तर पर प्रेषित किया

नर्मदापुरम (निप्र)। ई-ऑफिस प्रणाली के तहत कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने अपनी ई-डेस्क पर प्राप्त सभी फाइलों पर आवश्यक कार्यवाही की। उन्होंने इस दौरान फाइलों पर स्वयं आवश्यक मार्किंग टाइप कर अपलोड किया और ई-साइन का उपयोग करते हुए फाइलों को आगामी कार्यवाही के लिए अग्रेषित किया। कलेक्टर ने कहा कि डिजिटल प्रक्रिया के कारण अब फाइलों का संरक्षण और ट्रैकिंग भी पहले से अधिक आसान हो गया है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने जिले में लागू ई-ऑफिस प्रणाली की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रणाली सरकारी कार्यों को अधिक पारदर्शी, दक्ष और सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कलेक्टर ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली के तहत अब सरकारी फाइलों का संचालन पूरी तरह से डिजिटल हो गया है, जिससे कागजी कार्यों में कमी आएगी और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी तेजी आएगी। इसके माध्यम से अधिकारी और कर्मचारी कहीं से भी आवश्यक दस्तावेजों तक पहुंच सकते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। ई ऑफिस प्रणाली के तहत अब संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बेहतर रूप से जवाबदेही तय की जा सकेगी।कलेक्टर सुश्री मीना ने बताया कि कलेक्ट्रेट कार्यालय में फाइलों का आदान-प्रदान ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। इससे न केवल कार्यप्रणाली सरल हो रही है बल्कि कार्य कुशलता भी बढ़ी है। कलेक्टर ने ई-ऑफिस प्रणाली के विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह प्रणाली

अधिक सुविधाजनक: इस प्रणाली को अपनाने से सभी प्रशासनिक कार्य सरल और सुगम हो जाएंगे।कहीं से भी संचालन संभव: अधिकारी और कर्मचारी किसी भी स्थान से फाइलों का संचालन कर सकेंगे। जिससे अवकाश के दिनों में भी कार्य नहीं रुकेंगे। समय की बचत: ई-ऑफिस प्रणाली से कार्य शीघ्र और प्रभावी ढंग से निपटाए जा सकेंगे, जिससे कार्यों की गति तेज होगी।

फाइलों का बोझ होगा कम: डिजिटल प्रणाली लागू होने से कागजी दस्तावेजों का उपयोग कम होगा और कार्यालयों में फाइलों का अतिरिक्त बोझ समाप्त होगा।

सुव्यवस्थित संधारण: सभी फाइलों का डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित संग्रहण होगा, जिससे किसी भी समय दस्तावेजों को जल्दी और आसानी से ढूंढा जा सकेगा।

सीधी निगरानी: यह प्रणाली अधिकारियों को सीधे निगरानी करने की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

कलेक्टर सुश्री मीना ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली से प्रशासनिक कार्य और अधिक प्रभावी होंगे। उन्होने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली से सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यक्षमता में और भी अधिक सुधार आयेगा।

सर्वर हो रहा गड़बड़ कम्प्यूटर के कार्य पिछडने से हो रही परेशानी

नर्मदापुरम (निप्र)। डिजीटल युग में हर कार्य कम्प्यूटर व आनलाइन हो रहा है। इसी के साथ कागजी भी होता है। लेकिन विडंबना यह है कि अनेक कार्यालयों विभागों यहां तक कि पोस्ट आफिस जैसे सेंट्रल गवर्मेंट के कार्यालयों बैंकों में भी सर्वर की समस्या आ जाती है। जिससे लोगों को अकारण परेशान होना पड़ता है। कार्य पिछड़ते हैं। देरी से कार्य होने से लोगों की मुश्किलें बढती हैं। सर्वर में बार बार आ रही गड़बडी के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। सबसे ज्यादा बैंक में तथा ऑनलाइन कार्य करने वालों को दिक्कतें हो रही हैं। युवाओं के द्वारा जो अन्य परीक्षा या प्रवेश संबंधी आन लाइन आवेदन किए जाते हैं। उनमें सर्वर के गड़बड होने से काफी देर हो रही है। इस संबंध में आवेदन करने वाले युवाओं का कहना है कि एक तरफ तो डिजीटल जमाना हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ सर्वर में आने वाली परेशानी से कार्य में अनावश्यक देरी हो रही है। आवेदन करने वाले युवा वैष्णव केवट,अवध केवट, वीरेंद्र कुमार सहित अन्य युवाओं ने कहा कि ऑन लाइन आवेदन में दिक्कतें बहुत हो रही है।

परीक्षा के लिए सेंटर दूर नहीं दिए जाएं

युवा बेरोजगारों की शासन प्रशासन से मांग है कि जो परीक्षाएं हो रही हैं। वह दूर नहीं होनी चाहिए संभाग मुख्यालय पर केंद्र बनाए जाने चाहिए यदि ऐसा नहीं किया जा रहा है। तो बेरोजगारों के साथ छलावा है। शासन असहाय हो रहा है। दूर सेंटर बनाए जाने से बेरोजगारों के धन तथा समय की बर्वादी होती है। जिसकी भरपाई नहीं हो पाती है।

गेहूं की कटाई जारी,अगले सप्ताह से तेज हो सकेगी खरीदी

प्रति एकड़ 18 से 20 क्विंटल उत्पादित हो रहा गेहूं, फिर प्रदेश में जिला रहेगा अव्वल

नर्मदापुरम (निप्र)। अप्रैल माह की शुरूआत होते ही क्षेत्र में गेहूं की फसल की कटाई तेजी से शुरू हो गई है। जिसके चलते अब गेहूं निकलना शुरू हेा गया है। लेकिन अभी गेहूं को साफ करने के साथ ही सुखाया जाना है। उसके बाद ही खरीदी केंद्र पर लाया जा सकेगा। इस कारण गेहूं खरीदी का कार्य अगले सप्ताह से ही तेजी से शुरू हो सकेगा। इस बार प्रशासन जिले में 139 खरीदी केंद्र बनाए हैं। जिनमें से अभी मात्र 10 प्रतिशत केद्रों पर ही गेहूं की खरीदी शुरू हो सकी है। वहां भी कम मात्रा में गेहूं आ रहा है। अगले सप्ताह से जरूर मंडी सहित अन्य सभी खरीदी केंद्रों पर ट्रालियों का अंबार लगना शुरू हो जाएगा। मौसम ठीक रहने से गेहूं की पैदावार ठीक हो रही है।

बीते वर्ष से ज्यादा हो रही पैदावार

इस वर्ष बीते वर्ष से गेहूं की पैदावार ज्यादा हो रही है। किसानों ने चर्चा के दौरान बताया कि इस वर्ष प्रति एकड़ 18 से20 क्विंटल गेहूं हो रहा है। रायपुर के ईश्वरी कुमार ने बताया कि बीते वर्ष एक एकड़ में 16 से 18 क्विंटल के मान से गेहूं का उत्पादन हुआ था। लेकिन इस बार मौसम ठीक रहा। सिंचाई सुविधा भी ठीक रही इसी के साथ ही गेहूं की फसल भी ठीक आई है। इससे उत्पादन बढ़ा है। किसानों का अनुभव भी काम आ रहा है। किसानों के द्वारा जो नई नई तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। नई बेरायटी की फसल लगाई जा रही है। सिंचाई के साधन बढ़ते जा रहे हैं। इसी कारण गेहूं के उत्पादन में वृद्धि हो रही है।

लक्ष्य से अधिक होगी खरीदी

खरीदी कार्य में लगे हुए अधिकारियों का कहना है कि किसानों से जो फीडबैक मिल रहा है उससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार समर्थन मूल्य पर जो गेहूं खरीदी का लक्ष्य तय किया गया है। उससे कहीं अधिक खरीदी होगी। खरीदी के साथ ही इस बार परिवहन और भंडारण की व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है जिससे कि पहले की तरह बारिश के कारण गेहूं का नुकसान नहीं हो सके।

ज्यादातर वेयर हाउस में ही हो रही खरीदी

इस बार ज्यादातर खरीदी वेयरहाउस में हो रही है जिससे परिवहन और भंडारण की समस्या नहीं आएगी। गेहूं भी पहले की तुलना में सुरक्षित रहेगा।

सिलारी में नहर की एवं भमकापुरा में जलाशय के बांध की साफ सफाई की गई

नर्मदापुरम (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जीर्ण शीर्ण पेयजल एवं जल स्त्रोतों के रखरखाव के लिए साफ सफाई एवं स्वच्छता का कार्य किया जा रहा है, साथ ही प्राचीन कुंए बावडी, छोटी नदियां, तालाब, सरोवर की साफ सफाई कर उसे पेयजल के लिए पुनर्जीवित करने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसी कड़ी में जल संसाधन विभाग ने जनपद पंचायत माखन नगर के ग्राम सिलारी स्थित 248 बाबई नहर का जीर्णोद्धार करने के लिए आवश्यक मरम्मत एवं साफ-सफाई का कार्य किया। नहर में व्याप्त कचरा एवं गाद को निकाला। वहीं जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इटारसी संभाग में भमका पूरा जलाशय के बांध का जंगल सफाई कार्य, मिट्टी का कार्य किया गया। सिवनी मालवा संभाग अंतर्गत निरखी माइनर में मिट्टी का कार्य तथा सोहागपुर संभाग अंतर्गत सफाई का कार्य किया गया। इन नहरो में उगी हुई झाड़ियों को साफ किया गया। जल संसाधन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर एवं जन भागीदारी के सहयोग से उक्त कार्य किया। साथ ही उपस्थित लोगों को जल के महत्व एवं जल स्त्रोतों एवं जल संसाधनों के रखरखाव तथा उनके संरक्षण के संबंध में समझाइश दी और कहां की यह हमारी महत्वपूर्ण धरोहर है और इस धरोहर को हर हाल में बचाना है। अधिकारियों ने बताया कि जल संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया गया है।

ई-ऑफिस से सरल और पारदर्शी हुए कार्य, कम समय मे होगा शिकायतों और कार्यों का निराकरण : सीईओ रावत

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में ई-ऑफिस सरकारी कार्यालयों में जारी हो चुका है जो सुचारू रूप से चल रहा है मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत द्वारा सबसे पहले जिला पंचायत कार्यालय में सभी विभागों में ई-ऑफिस का कार्य सुचारू रूप से संचालित कर दिया गया है वे सभी विभागों से ई-ऑफिस में ही कार्य कर रहे है उन्होंने बताया कि डिजिटल तरीके से काम करने का एक अच्छा तरीका है। यह एक डिजिटल वर्कप्लेस सॉल्यूशन है। ई-ऑफिस का मकसद, सरकारी कार्यालयों में कामकाज को सरल, पारदर्शी, और जवाबदेह बनाना है जो कि प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने से समझ आता है। ई-ऑफिस डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा है जो बहुत सरल, स्पष्ट और पारदर्शी एवं कम समय मे हो रहा है। ई ऑफिस के बहुत अच्छे फायदे हैं। ई ऑफिस की मदद से विभागों को सूचना जल्द ओर आसानी से मिल जाती है जिस वजह से वे तेजी से फैसले ले रहे हैं, ई ऑफिस से कागजों का इस्तेमाल भी कम रहा है ओर रख रखाव में भी सुविधा है साथ ही फाइलों को खोजने ओर गुम होने जैसी कोई असुविधाओं का सामना नही करना पड़ेगा।

दमोह सीएमओ के साथ हुए दुर्व्यवहार पर कार्रवाई की मांग

मुख्य नगरपालिका अधिकारियों और कर्मचारियों ने कलेक्टर के नाम एडीएम को सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम (निप्र)। दमोह के मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रदीप शर्मा के साथ स्थानीय ठेकेदार द्वारा किए गए दुर्व्यवहार को लेकर जिले के सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों और कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। जिले के सभी सीएमओ और कर्मचारियों ने नगरीय प्रशासन विभाग के अपर सचिव के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपकर दमोह की घटना के अपराधियों के विरुद्ध ऑनड्यूटी शासकीय सेवक पर हमला करने दुर्व्यवहार करने और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के अपराध की धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस दमोह को शासन से निर्देश जारी करने की मांग की है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने बताया कि विगत 29 मार्च 2025 को मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रदीप शर्मा के निवास पर जाकर स्थानीय ठेकेदार विवेक अग्रवाल और द्वारा उनके मुंह पर काली स्याही लगाने का दुष्कृत्य किया गया जिससे न केवल श्री शर्मा एवं विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की न केवल प्रतिष्ठा खराब हुई है बल्कि सभी के मनोबल का भी हास हुआ है। ज्ञापन सौंपते समय हेमेश्वरी पटले, इटारसी सीएमओ रितु मेहरा, पिपरिया सीएमओ आरपी नायक, बनखेड़ी सीएमओ निशांत श्रीवास्तव, माखननगर सीएमओ जीएस राजपूत, प्रभारी कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, हरिश गोस्वामी, सुनील अवस्थी, मूर्तिसिंह राजपूत, दाताराम सगर, आशीष दुबे, राजकुमार, सतीश मिश्रा, शैलेंद्र दुबे, मनोजए राजेश श्रीवास्तव, खुमानसिंह आदि उपस्थित थे।

मुख्य नगरपालिका अधिकारियों और कर्मचारियों ने कलेक्टर के नाम एडीएम को सौंपा ज्ञापन

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम खंड-अ में मांसपेशी दर्द एवं हड्डी रोग से पीड़ित निरुद्ध बंदिया हेतु फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन शिविर का आयोजन किया गया

नर्मदापुरम (निप्र)। केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में निरूद्ध बंदी जो मांसपेशी दर्द एवं हड्डी रोग से पीडित है ऐसे बंदियो के मांसपेशी दर्द एवं हड्डी रोग के उपचार हेतु समाज सेवी सुश्री भावना बिष्ट, नर्मदापुरम के सहयोग से बुधवार को केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में फिजियोथेरेपी एवं रिहेबिलिटेशन सेन्टर नर्मदापुरम द्वारा फिजियोथेरेपी एवं रिहैबिलिटेशन शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में डॉ. सुनैना मिश्रा (फिजियोथेरेपिस्ट), डॉ. मयंक तोमर (साक्षरता मिशन), सुरज शर्मा (फिजियोथेरेपिस्ट) द्वारा मांसपेशी दर्द एवं हड्डी रोग से पीडित है पीडित 35 पुरूष बंदियों को फिजियोथेरेपी कराई गई एवं मांसपेशी दर्द एवं हड्डी रोग से निजात पाने हेतु जेलम निरूद्ध बंदियों सहित जेल स्टाफ/कर्मचारियों को भी मांसपेशी एवं हड्डियों से संबंधित एक्सरसाइज एवं सावधानियां बताई गई। आयोजित शिविर के दौरान संतोष सोलंकी जेल अधीक्षक, प्रहलाद सिंह बरकडे उप अधीक्षक, हितेश बंडिया अष्टकोण अधिकारी, श्रीमती इंदुराज साहू मेलनर्स जेल स्टाफ/कर्मचारी उपस्थित रहे।

35 वर्षों पुराने अतिक्रमण से मुक्त हुई 57 एकड़ शासकीय भूमि, ग्राम पंचायत रंधाल को सौंपी गई

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम ग्रामीण तहसील के अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर 02 के ग्राम रंधाल में प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। यह भूमि खसरा नंबर 53 में से 57 एकड़ क्षेत्रफल की थी, जिस पर पिछले लगभग 35 वर्षों से अनाधिकृत रूप से कब्जा किया गया था।

गौशाला हेतु सुरक्षित भूमि पर था अतिक्रमण

यह भूमि गौवंश के चराई हेतु सुरक्षित थी, लेकिन इस पर अतिक्रमणकारियों द्वारा विभिन्न प्रकार की फसलें उगाई जा रही थीं। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का समाधान करते हुए प्रशासन ने प्रभावी कार्रवाई की और भूमि को पुन: ग्राम पंचायत रंधाल को सौंप दिया।

SDM एवं तहसीलदार के नेतृत्व में प्रभावी कार्रवाई

इस महत्वपूर्ण कार्यवाही का नेतृत्व एसडीएम श्रीमती नीता कोरी एवं तहसीलदार हिमांशु नामदेव ने किया। उनके कुशल मार्गदर्शन में राजस्व एवं प्रशासनिक अमले ने मिलकर अतिक्रमण को हटाया और शासकीय भूमि को पुन: पंचायत के सुपुर्द कर दिया। यह कार्यवाही राजस्व निरीक्षक ओम प्रकाश सोनी, हल्का पटवारी मुकेश कुर्मी, पटवारी कंचन रघुवंशी एवं विजय उपराले के कुशल नेतृत्व में की गई।

08 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि हुई अतिक्रमण मुक्त

बताया जा रहा है कि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 08 करोड़ रुपये है। प्रशासन की इस कार्रवाई से अब यह भूमि गौवंश के पालन-पोषण एवं ग्रामीण उपयोग के लिए उपलब्ध होगी।

गौवंश संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम

शासन द्वारा गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इससे न केवल स्थानीय पशुपालकों को लाभ मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में पशुधन की बेहतर देखभाल भी सुनिश्चित हो सकेगी।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन एवं परिवहन में अनियमितताओं की जाँच हेतु जांच दल गठित

नर्मदापुरम (निप्र)। विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर किसानों से उपार्जित धान के परिवहन एवं मिलिंग में पाई गई अनियमितताओं को ध्यान में रखते हुए खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा विस्तृत जाँच के निर्देश दिए गए हैं। तत्संबंध में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा नर्मदापुरम जिले में जांच के लिए एक जाँच दल का गठन किया गया है। गठित जाँच दल के अध्यक्ष के रूप में अनिल जैन, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभाग सोहागपुर को नियुक्त किया गया है। वहीं, जिला आपूर्ति अधिकारी नर्मदापुरम को संयोजक, उपायुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम, जिला प्रबंधक (म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन) एवं जिला प्रबंधक (मप्र. वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन) को जांच दल के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। उक्त जाँच दल उपार्जित धान की मात्रा, परिवहन प्रक्रिया, गोदामों में जमा धान की स्थिति, धान में कमी, मिलर्स को किए गए भुगतान, मिलर्स द्वारा धान उठाव एवं सीएमआर जमा की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जाँच करेगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com